दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

बलरामपुर
मंगलवार, 30 जून 2026
वर्षः 05 अंकः 269 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

वेलकम 2 द जंगल से टक्कर के ...8

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर दान में चोरी के मामले की अर्जेंट सुनवाई से इनकार किया

सीबीआई–एसआईटी जांच की मांग टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान में कथित चोरी और वित्तीय गड़बड़ी के मामले की जांच से जुड़ी एक जनहित याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पष्ट किया कि इस चरण पर तत्काल दखल देने की कोई आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस याचिका को अदालत की आगामी छुट्टियों के बाद एक नियमित पीठ (त्महनसंत ठमदबी) के समक्ष विचार के लिए लिस्ट किया जाए। याचिका में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को

मिले दान के कथित दुरुपयोग की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। इसमें मांग की गई थी कि जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम करे।

सुप्रीम कोर्ट ने अर्जेंट लिस्टिंग से इनकार कियाः जल्द लिस्टिंग की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि इस स्टेज पर मामले में तुरंत दखल देने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा, षफिलहाल इस मामले में अर्जेंट सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है।ष इसके बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि आगे विचार के लिए कोर्ट की छुट्टियों के बाद याचिका को रेगुलर बेंच के सामने लिस्ट किया जाए।

याचिका में कोर्ट की निगरानी में **CBI-SIT** जांच की मांगः याचिका में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान के मैनेजमेंट में वित्तीय गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने आरोपों की जांच करने और मामले की निष्पक्ष और समय–सीमा के भीतर जांच सुनिश्चित करने के लिए ब्ठप् की अगुवाई वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाने की मांग की है। मामले के बारे मेंः राम मंदिर दान में चोरी के कथित मामले में हाल के हफ्तों में काफी प्रगति हुई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने छापेमारी की है, नकद, गहने और वित्तीय दस्तावेज बरामद किए हैं, और जांच से जुड़े कई लोगों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि चल रही जांच के तहत लगभग 140 लोगों के बयान दर्ज किए जाने की उम्मीद है।

पीलीभीत में योगी का अफसरों को चेतावनी

घटिया काम पर दर्ज होगी एफआईआर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य में विकास, सुशासन और जन–कल्याण के प्रयासों को नई गति मिलेगी। उन्होंने पीलीभीत की बरखेड़ा और बिसलपुर विधानसभा सीटों पर 569 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 66 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुरादाबाद में भी उन्होंने 365 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 63 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में मुरादाबाद नगर, मुरादाबाद देहात और कुंदरकी विधानसभा क्षेत्रों के साथ–साथ नगर निगम और मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की परियोजनाएं भी शामिल थीं। एक दिन पहले, आदित्यनाथ ने आगरा डिवीजन के लिए विकास कार्यों, कानून–व्यवस्था की स्थिति और लोक निर्माण विभाग (च्ॅक्)

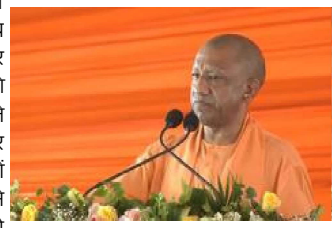

की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिविजनल कमिश्नर के ऑडिटोरियम में एक हाई–लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कार्यों में कमियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और किसी भी हाल में क्वालिटी से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगरा, जो अब एक मेट्रो शहर है, वहां मेट्रो स्टैंडर्ड के हिसाब से पानी की सप्लाई, सड़कें, सीवरेज और शहर को सुंदर बनाने की सुविधाएं होनी चाहिए। सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर तुरंत रोक लगाएं और सड़कों को नुकसान पहुंचाने वाले वाहन मालिकों से मरम्मत का खर्च वसूलें। उन्होंने जल जीवन मिशन, अमृत योजना, सीवर लाइन प्रोजेक्ट और अन्य बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए खोदी गई सड़कों की खराब मरम्मत पर भी नाराजगी जताई। आदित्यनाथ ने चेतावनी दी कि खराब क्वालिटी के निर्माण के लिए इंजीनियर और ठेकेदार सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे घटिया काम के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ FIR दर्ज करें और कानूनी कार्रवाई शुरू करें।

असम में मश्वनसून का तांडव! बाढ़ की पहली लहर से 22,000 से अधिक लोग प्रभावित

असम और पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के बाद असम में इस मॉनसून की बाढ़ का पहला दौर शुरू हो गया है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य के छह जिलों में बाढ़ के पानी ने भारी तबाही मचाई है, जिससे 22,000 से अधिक लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। उफनती नदियों के तेज बहाव और नदी के किनारों पर हो रहे भीषण कटाव के कारण एक महत्वपूर्ण रेलवे पुल का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होगा भारत

मंत्री पबित्रा और बिहार के राज्यपाल जाएंगे तेराहन

नई दिलली। भारत सरकार ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन को भेजेगी। पिछले हफ्ते ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्योता दिया था। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया 4 जुलाई को शुरू होगी और 9 जुलाई को उत्तर–पूर्वी ईरान के पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाए जाने के साथ पूरी होगीय मशहद वही शहर है जहाँ उनका जन्म हुआ था। खामेनेई, जो 86 साल के थे, 28 फरवरी को मारे गए थे। यह वही दिन था जब तेहरान पर इजराइल और अमेरिका ने हवाई हमले किए थे। उन्होंने 36 साल तक श्सुप्रीम लीडरश के तौर पर इस्लामिक रिपब्लिक की अगुवाई की थी। सरकारी मीडिया ने बताया है कि अंतिम संस्कार की तैयारियों में 7 जुलाई को तेहरान के दक्षिण में स्थित एक और पवित्र शहर, कोम में होने वाले कार्यक्रम भी शामिल होंगे। फरवरी में उनकी हत्या के बाद से ही खामेनेई के अंतिम संस्कार की तारीख को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। इस्लामिक कानून के मुताबिक, मरने वाले को जल्द से जल्द दफनाया जाना चाहिए – आदर्श रूप से मौत के एक दिन के भीतर – हालांकि कुछ मामलों में छूट दी जा सकती

है, खासकर युद्ध के दौरान। शुरुआती खबरों में कहा गया था कि उन्हें जून के आखिर में दफनाया जा सकता है, लेकिन बाद में सरकारी मीडिया ने पुष्टि की कि अंतिम संस्कार की रस्में जुलाई में होंगी।

86 साल के खामेनेई की मौत 28 फरवरी को हुई थी, जो तेहरान पर इजराइली और अमेरिकी हवाई हमलों का पहला दिन था। उन्होंने 36 साल तक इस्लामिक रिपब्लिक के सर्वोच्च नेता के तौर पर नेतृत्व किया था। सरकारी मीडिया ने कहा है कि अंतिम संस्कार की तैयारियों में 7 जुलाई को तेहरान के दक्षिण में स्थित एक और पवित्र शहर, कघेम में होने वाले कार्यक्रम भी शामिल होंगे। फरवरी में उनकी हत्या के बाद से ही खामेनेई के अंतिम संस्कार की तारीख को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। इस्लामिक कानून के तहत, शव को जल्द से जल्द दफनाया जाना चाहिए, आमतौर पर मौत के एक दिन के भीतर, हालांकि कुछ मामलों में छूट दी जा सकती है, खासकर युद्ध के दौरान। शुरुआती खबरों में कहा गया था कि उन्हें जून के आखिर में दफनाया जा सकता है, लेकिन बाद में सरकारी मीडिया ने पुष्टि की कि अंतिम संस्कार की रस्में जुलाई में होंगी।

हिमाचल प्रदेश में खतरे की घंटीः भूस्खलन और ग्लेशियर पिघलने से श्रीखंड, किन्नौर कैलाश यात्रा पर रोक

भूस्खलन, अचानक बाढ़ और अस्थिर हिमनदों (ग्लेशियरों) के खतरे के कारण मार्गों के असुरक्षित होने पर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और किन्नौर जिला प्रशासन ने अगले आदेश तक श्रीखंड महादेव यात्रा और किन्नौर कैलाश यात्रा पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुल्लू जिले में 16,900 फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड महादेव भारत की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक मानी जाती है। इस यात्रा में श्रद्धालुओं को एक तरफ की 35 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है, जो घास के मैदानों से होकर 72 फुट ऊंचे शिवलिंग तक पहुंचती है। वहीं किन्नौर जिले में 19,850 फुट की ऊंचाई पर स्थित किन्नौर कैलाश को भगवान शिव का शीतकालीन निवास माना जाता है। दोनों यात्राएं सामान्यतः जुलाई महीने में शुरू होती हैं। श्रीखंड महादेव यात्रा को उस समय स्थगित कर दिया गया जब अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली के विशेषज्ञों तथा राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पारंपरिक और वैकल्पिक दोनों मार्गों को असुरक्षित घोषित कर दिया। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार,

भड़काऊ बयान पर घिरे हुमायूं कबीर, सुवेंदु अधिकारी बोले– दो केस दर्ज, होगी कार्रवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि भाजपा सरकार राज्य में कानून का राज स्थापित करेगी। उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के विधायक हुमायूं कबीर पर रेजीनगर विधानसभा सीट के उपचुनाव

में मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के उद्देश्य से भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले में दो हालिया जन सभाओं में मुख्यमंत्री और सरकारी तंत्र के खिलाफ हुमायूं कबीर द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में उनके विरुद्ध दो आपराधिक मामले दर्ज किये गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। हुमायूं कबीर ने 2026 के विधानसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद जिले की नौदा और रेजीनगर, दोनों विधानसभा सीटों से जीत दर्ज की थी। बाद में, उन्होंने नौदा से विधायक पद की शपथ ली, जिसके चलते

मिलिट्री एडवाइजर लौटे, रक्षा से यूपीआई और इसरो तक कई ऐतिहासिक समझौते, पीएम मोदी की सेशेल्स यात्रा के बड़े नतीजे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा केवल दिखावे या कूटनीतिक प्रतीकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, क्षमता निर्माण और उभरती हुई टेक्नोलॉजी में साझेदारी का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ। सबसे अहम नतीजों में से एक था सेशेल्स में

फिर से चार मिलिट्री एडवाइजर तैनात करने का भारत का फैसलाय इससे उस व्यवस्था को फिर से शुरू किया गया जिसे द्वीप देश की पिछली सरकार ने बंद कर दिया था। एडवाइजर की वापसी एक बड़े रणनीतिक बदलाव का संकेत है और सेशेल्स के सुरक्षा ढांचे में भारत की भागीदारी को और मजबूत करती है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब हिंद महासागर दुनिया के सबसे ज्यादा विवादित भू–राजनीतिक क्षेत्रों में से एक के तौर पर उभर रहा है।

चार सैन्य सलाहकार लौटेः ये चार सैन्य सलाहकार सेशेल्स के रक्षा और सुरक्षा संस्थानों के साथ मिलकर काम करेंगे और ऑपरेशनल तालमेल, ट्रेनिंग, प्लानिंग और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने में मदद करेंगे। इनकी वापसी से एक पुरानी व्यवस्था फिर से बहाल हो गई है, जो हाल के वर्षों में बंद होने से पहले दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग का एक अहम आधार रही थी। नई दिल्ली के लिए, यह कदम उस भरोसे का प्रतीक भी है जिस पर यह रिश्ता टिका है और यह पश्चिमी हिंद महासागर में सेशेल्स के पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के तौर पर भारत की स्थिति को फिर से मजबूत करता है।

मेड–इन–इंडिया उपकरण सौंपे गए

इस दौरे के दौरान, भारत ने सेशेल्स को मेड–इन–इंडियाश फास्ट पेट्रोल वेसल, लेजर रेडियल बोट, यूटिलिटी वाहन और एम्बुलेंस सौंपीं। उम्मीद है कि पेट्रोल वेसल से सेशेल्स की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी और पश्चिमी हिंद महासागर में व्यस्त समुद्री रास्तों पर निगरानी बेहतर होगी। हाल ही में सौंपी गई ये चीजें सेशेल्स के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार के तौर पर भारत की भूमिका को और मजबूत करती हैं।

भारत और पाकिस्तान ट्रैक–2 वार्ता पर आया एमईए का बयान, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने स्पष्ट किया मोदी सरकार का रुख

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आज भारत और पाकिस्तान के बीच कथित ट्रैक–2 वार्ता से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि इस तरह की बैठकों का भारत सरकार से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि ये निजी स्तर पर आयोजित कार्यक्रम हैं और इनमें भारत

सरकार की न तो कोई भागीदारी है और न ही कोई समर्थन। मीडिया में आई खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए विक्रम मिसरी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कोई नई बात नहीं हैं। दुनिया भर में विभिन्न विषयों पर इस तरह के अनेक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि इन बैठकों को लेकर अनावश्यक महत्व देने की जरूरत नहीं है क्योंकि ये पूरी तरह निजी पहल हैं। विदेश सचिव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ये कार्यक्रम निजी व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा आयोजित किए जाते हैं और इन्हें किसी भी तरह से आधिकारिक संवाद नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का इन आयोजनों से कोई लेना–देना नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह पाकिस्तान सरकार की ओर से कुछ नहीं कह सकते, लेकिन भारत सरकार की तरफ से इनमें कोई आधिकारिक भागीदारी, समर्थन या संलिप्तता नहीं है। विक्रम मिसरी ने यह भी दोहराया कि भारत सरकार इस तरह की बैठकों को कोई विशेष महत्व नहीं देती। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे आयोजनों का संज्ञान तक नहीं लेती क्योंकि इनका कोई ठोस आधिकारिक महत्व नहीं होता। उन्होंने कहा कि इन चर्चाओं का सरकारी नीतियों या दोनों देशों के औपचारिक संबंधों पर कोई प्रभाव नहीं माना जाना चाहिए। हम आपको बता दें कि हाल के दिनों में भारत और पाकिस्तान के कुछ पूर्व अधिकारियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज से जुड़े लोगों के बीच ट्रैक–2 वार्ता की खबरें सामने आई थीं। इसी को लेकर सरकार से सवाल पूछे गए थे।

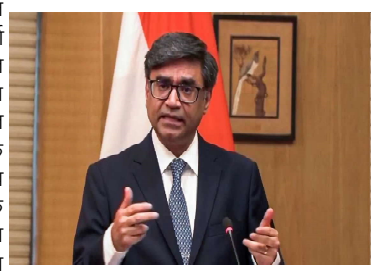

दिल्ली ईवी पॉलिसी 2026 पास, पुरानी कार स्क्रैप कराने पर पाएं 1 लाख रुपये का बंपर फायदा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सोमवार को दिल्ली ईवी पॉलिसी 2026 को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस पॉलिसी को केंद्र सरकार का समर्थन मिल गया है और अब इसे 1 जुलाई, 2026 से लागू करने से पहले अंतिम मंजूरी के लिए उप–राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। 31 मार्च, 2030 तक लागू रहने वाली यह पॉलिसी, पुरानी और प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों की जगह जीरो–एमिशन (बिना प्रदूषण वाली) गाड़ियां लाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए खरीद पर सब्सिडी के साथ–साथ स्क्रैपेज इंसेंटिव (पुरानी गाड़ी कबाड़ में देने पर मिलने वाला लाभ) पर भी जोर देती है। इस पॉलिसी का मकसद जीरो–एमिशन गाड़ियों को बढ़ावा देकर

राष्ट्रीय राजधानी को साफ–सुथरे और प्रदूषण–मुक्त ट्रांसपोर्ट हब में बदलना है। सरकार का अनुमान है कि अगले चार सालों में 7,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का सीधा निवेश होगा, जबकि नागरिकों को मिलने वाला कुल फायदा जिसमें टैक्स में छूट और म्ट इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। 15,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है। इस पॉलिसी की एक खास बात इसका स्क्रैपेज इंसेंटिव फ्रेमवर्क है। जो लोग **BS-IV** या उससे पुराने दो–पहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलेंगे, उन्हें 10,000 रुपये का अतिरिक्त स्क्रैपेज इंसेंटिव मिलेगा, जबकि तीन–पहिया वाहनों के मालिकों को 25,000 रुपये और N1 कमर्शियल ट्रक मालिकों को 50,000 रुपये तक का इंसेंटिव मिलेगा। **BS-IV** या उससे पुरानी चार–पहिया गाड़ियों को इलेक्ट्रिक कारों से बदलने वाले मालिक 1 लाख रुपये के स्क्रैपेज इंसेंटिव के हकदार होंगे। ये फायदे पॉलिसी के तहत घोषित खरीद इंसेंटिव के अलावा मिलेंगे।

बसपा 'ओबीसी' संगठन के समीक्षा बैठक में सरकार बनाने के लिये संगठन की मजबूती पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी सामाजिक भाईचारा अन्य पिछड़ा वर्ग 'ओबीसी' संगठन की विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक हरैया विधानसभा क्षेत्र के अमोढा खास में जिला संयोजक के.सी. मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। समीक्षा बैठक के दौरान अनेक लोगों ने बसपा की सदस्यता ग्रहण किया।बैठक के मुख्य अतिथि मण्डल संयोजक उदयभान ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिये बूथ स्तर पर जुट जाने की जरूरत है। कहा कि बसपा के लिये सामाजिक भाई चारा प्राथमिकता है। कहा कि बहन मायावती के मुख्यमंत्रित्व काल में सर्व समाज का समुचित विकास और लोगों को न्याय मिला। इस संदेश को लोगों तक पुरजोर ढंग से पहुंचाने की जरूरत है।संचालन करते हुये बसपा सामाजिक भाईचारा अन्य पिछड़ा वर्ग 'ओबीसी' संगठन के जिला संयोजक अनूप कुमार ने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बनाते हुये कहा कि बसपा सरकार के दौरान ओबीसी वर्ग के हित में सर्वाधिक कार्य किये गये। उन्होने कार्यों की विस्तार से चर्चा करते हुये आवाहन किया कि कार्यकर्ता बहन मायावती के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिये बूथ स्तर पर जुट जाय। बैठक की अध्यक्षता करते हुये जिला संयोजक के.सी. मौर्य ने बहुजन समाज पार्टी द्वारा ओबीसी समाज के विकास एवं उत्थान के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित करते हुए समाज के लोगों से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि राम चरन और अनिल आजाद ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक ओबीसी समाज के लोगों को बसपा से जोड़ने की अपील की। कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर बहन कुमारी मायावती को उत्तर प्रदेश का पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य करें। बैठक में प्रमुख रूप से नवमी प्रसाद, राजेश राव, राम सूरत चौहान, संदीप चौहान, राम सुरेश चौहान, शिवकुमार, सुरेश सिंह, प्रमोद चौहान, पंकज चौहान, शिवा मौर्य, रणजीत मौर्य, पप्पू चौहान, गुड्डू चौहान, अरविन्द राजभर, विनोद राजभर के साथ ही सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मॉडल शॉप का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, सीसीटीवी, डीवीआर भी ले गए चोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर कोतवाली क्षेत्र के डिड़ौहा चौराहे स्थित एक मॉडल शॉप में रविवार की रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान से करीब 3.51 लाख रुपये की नकदी, सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर (हार्ड डिस्क) और अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के सुजिया गांव निवासी अभिनव पाण्डेय की कोतवाली थाना क्षेत्र के डिड़ौहा चौराहे पर मॉडल शॉप संचालित है। सोमवार सुबह करीब 10 बजे मकान मालिक ने फोन कर सूचना दी कि दुकान का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने पर जब अभिनव पाण्डेय मौके पर पहुंचे तो देखा कि अज्ञात चोर रात में ताला तोड़कर दुकान के अंदर घुस गए थे। पीड़ित के अनुसार, चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर डीवीआर, हार्ड डिस्क भी अपने साथ ले गए, जिससे उनकी पहचान न हो सके। इसके अलावा दुकान में रखी दो दिनों की बिक्री की 3,51,360 रुपये नकद राशि चोरी कर ली गई। चोरों ने दुकान में रखी शराब की दो बोतलों में से एक पूरी और दूसरी आधी पीकर वहीं छोड़ दी, जिससे अतिरिक्त नुकसान भी हुआ। पीड़ित ने पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरी गई नकदी, डीवीआर और अन्य सामान की बरामदगी के साथ दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर क्लब को 11 पुरस्कार

बस्ती। वाराणसी के नन्दगाँव रिसाट्र में आयोजित मण्डल पुरस्कार समारोह में रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर क्लब को कुल 11 पुरस्कार प्राप्त हुए। यह जानकारी देते हुये नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा.

वी. के. वर्मा ने बताया कि रोटरी मण्डलाध्यक्ष डा अशुतोष अग्रवाल ने क्लब को मेडिकल के क्षेत्र में दो, पर्यावरण के क्षेत्र में 1, मण्डल में प्रतिभाग के लिए दो, गवर्नर विजिट, बेहतर रिपोर्टिंग के लिए, रोटरी पब्लिक इमेज, ब्लड डोनेशन के लिये रोटेरियन किशन कुमार गोयल को रोटरी मण्डलाध्यक्ष द्वारा विशेष सम्मान से पुरुस्कृत किया गया। क्लब अध्यक्ष रो. राजेश्वरी वर्मा ने कहा कि क्लब सदस्यों के सामूहिक प्रयास से जो उपलब्धि मिली है उसकी निरन्तरता को बनाये रखकर और मजबूती देनी होगी। रोटरी इन्टरनेशनल द्वारा लगातार 7 वें सत्र में बस्ती ग्रेटर को यह सम्मान प्राप्त हुआ। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. वी. के. वर्मा ने बताया कि रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर क्लब द्वारा निरन्तर रचनात्मक कार्य किये जा रहे हैं। जो पुरस्कार मिले हैं वह सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए एसपी से मिले अखिलेश सिंह, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष पर लगाया गंभीर आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंदिर परिसर में शराब पीने से रोकने पर मारपीट और उसके बाद दर्ज मुकदमे को लेकर मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक से मिले और ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच तथा न्याय की मांग की।विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आरोप लगाया कि पीड़ित पक्ष अनिल यादव के खिलाफ साजिश के तहत गलत मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने कहा कि घटना के वास्तविक दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है, जिससे पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटकने को मजबूर है।उन्होने यह भी आरोप लगाया कि मामले में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष का संरक्षण आरोपियों को मिल रहा है, जिसके कारण पुलिस पर दबाव बनाकर

कार्रवाई को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। अखिलेश सिंह ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो विश्व हिंदू महासंघ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के समुदाय विशेष के कुछ पदाधिकारी सोशल मीडिया पर हिन्दू संगठनों और समाज की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जाता है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज्ञापन में बताया कि मंदिर परिसर में शराब पीने का विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और बाद में उल्टा उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच ककर निर्दोषों को न्याय दिलाने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को मामले की निष्पक्ष जांच कर विधि सम्मत कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से सौरभ त्रिपाठी, अर्पण श्रीवास्तव, उपेन्द्र सिंह, उज्जवल सिंह, शिवलाल प्रेमी, वैभव तिवारी, अभय यादव, दिलीप, अजय, राम निहोरे, सर्वेश, गिरजेश कुमार, विकास, परमात्मा, संगम यादव, बलराम यादव, रामजग, प्रदीप यादव, उमेश, आकाश, हेमन्त कुमार, विकास, शहजाद आलम, सचिन, अरविन्द, विवेक श्रीवास्तव के साथ ही क्षेत्रीय नागरिक और महासंघ के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

अम्बेडकर पार्क की सुरक्षा, भूमि खतौनी में दर्ज कराने की मांग को लेकर भीम युवा वाहिनी ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भीम युवा वाहिनी ने सोमवार को मण्डलायुक्त और जिलाधिकारी को अलग–अलग ज्ञापन सौंपकर अनुसूचित जाति समाज के हित में सुरक्षित कराए गए अम्बेडकर पार्क की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा उसे खतौनी में दर्ज कराने की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव और प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप कुमार गौतम के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम थरौली में गाटा संख्या–133 की भूमि को सामाजिक कार्यों एवं अनुसूचित जाति समाज के उपयोग के लिए अम्बेडकर पार्क के रूप में सुरक्षित कराने की मांग पूर्व में की गई थी। प्रशासन के निर्देश पर 5 जून 2026 को राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर पैमाइश कराई और चारों ओर सीमेंट के पिलर लगवाकर भूमि

को अतिक्रमण मुक्त कर सुरक्षित कराया। ज्ञापन में मांग किया गया कि सुरक्षित कराई गई गाटा संख्या–133 को अम्बेडकर पार्क के रूप में खतौनी में दर्ज कराया जाए, ताकि भविष्य में भूमि पर किसी प्रकार का विवाद या अतिक्रमण न हो सके और ग्रामीणों को सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यों के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध हो। दूसरे ज्ञापन में संगठन ने मुख्यमंत्री के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में स्थापित अम्बेडकर पार्कों एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर असामाजिक तत्व प्रतिमाओं को क्षति पहुंचाने का प्रयास करते रहते हैं। ऐसे में ग्राम धुसनाखोर स्थित अम्बेडकर पार्क के चारों ओर बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए, जिससे पार्क एवं वहां स्थापित बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा सुरक्षित रह सके। संगठन ने प्रशासन से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए अम्बेडकर पार्क की विधिवत खतौनी में प्रविष्टि कराने तथा बाउंड्रीवाल निर्माण के निर्देश जारी करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से हरिहर, बलिराम, गोलू, रूचि, लक्ष्मी, जितेन्द्र, चन्द्रावती, गौरव, शकुन्तला, शान्ती, राजपती, मंजीत कुमार, सन्तबली, विशाल कुमार, मोलहू, भरत बौद्ध, कलावती, इशरावती, निखिल, गोलू गौतम, संगीता, रीता के साथ ही भीम युवा वाहिनी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे

डीएम ने दिव्यांग व्यक्ति को मौके पर ही दिलाई ट्राईसाइकिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान संवेदनशील एवं सराहनीय पहल देखने को मिली।जनसुनवाई के क्रम में दिव्यांग शिकायतकर्ता रामसरन पुत्र बड़कऊ, निवासी ग्राम गंगा पण्डरी इटियाथोक, गोण्डा ने अपनी समस्या को लेकर उपस्थित हुए। उनकी स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने कार्यालय कक्ष से बाहर आकर उनकी बातों को गंभीरता एवं भावपूर्ण ढंग से सुना।रामसरन ने अपनी दैनिक जीवन की कठिनाइयों को साझा करते हुए

आवागमन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने तत्काल मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर ही वार्ता की और आवश्यक निर्देश दिए।उनकी तत्परता और सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप कलेक्ट्रेट परिसर में ही दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। उपरोक्त व्यक्ति को दिव्यांग पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ शीघ्रातिशीघ्र दिलाने के निर्देश दिये हैं।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जिलाधिकारी की इस संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही की सराहना की।यह पहल न केवल प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाती है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजन एवं अन्य पात्र लाभार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।मौके पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुश्री माधवी। पाण्डेय, वसीम अहमद दिव्यांग विभाग उपस्थित रहे।

8 दिवसीय शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला का रंगारंग समापनः प्रस्तुतियों से छा गये बाल कलाकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महर्षि गुरु वशिष्ठ तपोभूमि टाउन क्लब में नृत्य धाम कथक अकादमी द्वारा आयोजित 8 दिवसीय शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला का रंगारंग समापन हुआ। कलाकारों और प्रशिक्षुओं ने अपनी प्रस्तुतियों से मन मोह लिया। मास्टर शिव, कथक गुरु के निर्देशन में संस्कृति का आदान–प्रदान को समर्पित शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला में वेस्ट बंगाल कोलकाता से पधारी भरतनाट्यम, कथककली गुरु, मास्टर सृजिता सरकार और टीम द्वारा 8 दिवसीय कुशल प्रशिक्षण के उपरांत बाल कलाकारों की प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राणा दिनेश प्रताप सिंह ,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ,सचिन श्रीवास्तव समाजसेवी, महिला थाना एसएचओ शालिनी सिंह, डा. फारूक सिद्दीकी ,मनमोहन श्रीवास्तव, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव , तथा प्रशिक्षक अतिथि कलाकार मास्टर सृजिता सरकार, श्रेया जोद्दार,शिति टिकादर, शालिनी, द्वारा मां सरस्वती ,गुरु वशिष्ट जी,पंडित अर्जुन मिश्रा जी महाराज, गुरु पंडित बिरजू जी महाराज, आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी,को माल्याअर्पण,दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया! मुख्य अतिथि राणा दिनेश प्रताप सिंह, तथा साथी, श्रेष्ठ सभी अतिथियों ने कहा कि– मास्टर शिव कथक गुरु द्वारा शास्त्रीय नृत्य के प्रचार प्रसार एवम उसके प्रशिक्षण तथा निरंतर नई खोज की दिशा में कर रहे प्रयास अत्यंत ही सराहनीय है सर्वप्रथम शिति टिकादर ने गणेश वंदना, भरत नाट्यम नृत्य शैली में तम ता कित्ता, धी धी कित्ता ट्राम ट्राम कित्ता, नयम नयम कित्ता ताकि टॉम,के साथ प्रस्तुति दी! शालिनी, श्रेया जोद्दार ,सृष्टि मिश्रा,सूरज साहू,र वि तिलिक धारी, ने ताम् धी ताम् किता ताका तेई तत् तेई अलारिपू भरतनाट्यम की पारंपरिक शैली प्रस्तुत की!शानवी वर्मा, आर्ची कश्यप, गौरी प्रजापति, अवि त्रिपाठी, ऐश्वर्या सिंह, संजना, सपना, ने धानी ओ धानी धिर धिर धानी पे प्रस्तुति दी!इस अवसर पर संगीता उपाध्याय, ममता यादव ,पिंकी, रजनी, सृष्टि मिश्रा, हरीश कुमार तिवारी अनिल मिश्रा साक्षी सिंह, , सुधीर सरिता त्रिपाठी ,प्रियंका प्रजापति, इंद्रेश यादव ,धीरेंद्र कुमार वर्मा, सुषमा वर्मा ,आरोही शुक्ला , प्रेमलता सिंह, सुहानी वर्मा, पिंकी, रितेश ,आदित्य, दुर्गेश मिश्रा, आदि कला संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

शून्य से पांच वर्ष तक के 5.77 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को लेकर जिला महिला अस्पताल गोंडा में शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों को दवा पिलाकर जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने की शुरुआत।उन्होंने बताया है कि इस अभियान के तहत जनपद के शून्य से पांच वर्ष तक के 5.77 लाख बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र बच्चा दवा पीने से वंचित न रहे।कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई थी।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा था कि पोलियो उन्मूलन की उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक

बच्चे तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य,बाल विकास एवं अन्य सहयोगी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा अभियान की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतलाल पटेल ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई थी। बूथ संचालन,घर–घर भ्रमण, पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए विस्तृत माइक्रोप्लान तैयार किया गया है।अभियान की निगरानी के लिए 365 सुपरवाइजर तैनात किए गये हैं। आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सीएचओ तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. मुइनुद्दीन चिस्ती ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन जिले में 1977 फिक्स्ड बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद छूटे हुए बच्चों तक पहुंचने के लिए 1171 हाउस–टू–हाउस टीमें घर–घर भ्रमण करेंगी। वहीं बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर 75 ट्रांजिट टीमें तथा दूरस्थ एवं विशेष क्षेत्रों के लिए 45 मोबाइल टीमें तैनात की गई है।ईंट–भट्टों, निर्माण स्थलों, घुमंतू एवं प्रवासी परिवारों के बच्चों को अभियान में विशेष प्राथमिकता दी जाए।इन स्थलों पर रहने वाले बच्चों तक पहुंचने के लिए विशेष रणनीति अपनाई जाएगी और मोबाइल व ट्रांजिट टीमें सक्रिय रूप से कार्य करेंगी, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह जाए।उन्होंने कहा कि अभियान की प्रगति की समीक्षा प्रतिदिन ब्लॉक एवं जिला स्तर पर की जाएगी। साथ ही अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत बनाने में सहयोग करें।कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला अस्पताल डॉक्टर देवेंद्र सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आदित्य वर्मा, डॉक्टर पंकज तिवारी, डॉक्टर आरपी सिंह,सहित अन्य सभी डॉक्टर्स एवं सहयोगी अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनपद में मौसम ने ली करवट,सुबह 4 बजे से झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सोमवार तड़के मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह करीब 4 बजे से तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हुई, जिससे पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली। लगातार बारिश के चलते जिले का तापमान घटकर 28 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।मौसम विभाग के अनुसार, बारिश शुरू होने के पहले दो घंटे में ही 10 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। झमाझम बारिश से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों का मौसम पूरी तरह बदल गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली।मौसम विभाग ने गोंडा के लिए अगले तीन घंटे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रतार से तेज हवाएं, गरज–चमक के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े न होने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई है। खरीफ सीजन की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों के खेतों में नमी बढ़ने से धान सहित अन्य फसलों की बुवाई आसान होगी,वहीं सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी बचेगा।अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। आपदा प्रबंधन विभाग की सभी टीमें सक्रिय कर दी गई हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित आपदा कंट्रोल रूम भी संचालित किया जा रहा है।

रतन सेन डिग्री कॉलेज के डॉ० हंसराज कुशवाहा को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्कर्ष शिक्षक सम्मान से किया विभूषित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के दशम दीक्षान्त समारोह में आज रतन सेन डिग्री कॉलेज, बाँसी के शिक्षक शिक्षा विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ० हंसराज कुशवाहा को एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। आज दिनांक 29 जून 2026 को जनपद के गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आयोजित भव्य समारोह में विश्वविद्यालय की माननीय कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ० हंसराज कुशवाहा को श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से नवाजा। महामहिम राज्यपाल ने मुख्य मंच पर डॉ० कुशवाहा को यह सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके योगदान की सराहना की। डॉ० कुशवाहा को यह सम्मान उनके उत्कृष्ट अकादमिक अवदान, उच्च स्तरीय शोधपरक दृष्टिकोण और शिक्षा जगत में स्थापित किए गए नए कीर्तिमानों के सम्मानार्थ प्रदान किया गया है। इस गरिमामयी दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पर्यावरणविद् प्रोफेसर मधुलिका अग्रवाल उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार की माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने मंच की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों की गरिमामयी मौजूदगी में डॉ० हंसराज कुशवाहा को मिला यह सम्मान पूरे जनपद के शिक्षा जगत के लिए एक गौरवशाली क्षण बन गया। डॉ. कुशवाहा के देश–विदेश की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र–पत्रिकाओं में 25 से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इसके साथ ही साथ आपने शिक्षा जगत को समृद्ध करते हुए 3 पुस्तकों का सम्पादन व सह–सम्पादन कार्य भी सफलतापूर्वक किया है। शैक्षणिक क्षेत्र में में बेहद सक्रिय डॉ० कुशवाहा ने 50 से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों व कार्यशालाओं में प्रतिभाग कर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। आपकी सबसे बड़ी अन्तर्राष्ट्रीय उपलब्धियों में पड़ोसी देश नेपाल में स्थित लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी भी शामिल है, जहाँ आपने बौद्ध दर्शन पर अपना उच्च स्तरीय शोध पत्र प्रस्तुत कर वैश्विक पटल पर संस्थान का मान बढ़ाया था। डॉ० कुशवाहा को इससे पूर्व भी शिक्षा, शोध और सृजन के लिए विभिन्न मंचों पर भागीरथ पुरस्कार, अन्तर्राष्ट्रीय तथागत विशिष्ट सृजन सम्मान, इनोवेटिव एजुकेशनिस्ट अवार्ड व सर्वोत्तम शोध पत्र प्रस्तुतीकरण अवार्ड जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। श्रेष्ठ उत्कर्ष शिक्षक सम्मानश के रूप में आपके नाम एक और स्वर्णिम उपलब्धि जुड़ गई है। डॉ० हंसराज कुशवाहा ने शिक्षा को और अधिक प्रभावी व व्यावहारिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय की उच्च स्तरीय समिति ने इस सर्वोच्च सम्मान के लिए उनके नाम का चयन किया। शिक्षाविदों और सहयोगियों ने दी बधाई। इस गौरवशाली उपलब्धि पर शिक्षा संकाय, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष (क्मंद) प्रोफेसर विजय कुमार राय, प्रोफेसर उमेश प्रसाद यादव, प्रोफेसर श्रीप्रकाश मिश्र, प्रोफेसर राघवेंद्र सिंह और रतन सेन डिग्री कॉलेज, बाँसी के प्राचार्य डॉ० संतोष कुमार सिंह, प्रो. शरीफुद्दीन, प्रो. अर्चना मिश्रा, प्रो. किरन देवी, डॉ. ब्रह्म सिंह, डॉ. अरविन्द कुमार मौर्य, डॉ. देवेंद्र प्रसाद, डॉ. दयाशंकर पटेल, डॉ. अखिलेश कुमार उपाध्याय, डॉ. मनोज कुमार सोनकर, डॉ. मनीष कुमार भारती, पुस्तकालयाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, यतीन्द्र, सौरभ, मनोज, दिनेश, ममता सहित महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारी बन्धुओं ने डॉ० कुशवाहा को हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ दीं। पूरे महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ० कुशवाहा की यह उपलब्धि संस्थान के लिए अत्यन्त गौरव और प्रेरणा का विषय है।

नगरपालिका परिषद में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन,पथ विक्रेताओं को बांटे ऋण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। (पीएम स्वनिधि) योजना के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्ट्रीट वेंडरों को योजना के प्रति जागरूक करने के साथ पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति चेक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। उन्होंने लाभार्थियों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान करते हुए नगर को स्वच्छ बनाए रखने, कूड़ा निर्धारित स्थानों पर डालने तथा जल संरक्षण में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार सिंह ने कहा कि समय पर ऋण चुकाने वाले स्ट्रीट वेंडरों को योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से अधिक ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है।उन्होंने बताया कि नियमित भुगतान करने वाले लाभार्थियों को प्रथम चरण में 15 हजार रुपये, द्वितीय चरण में 25 हजार रुपये तथा तृतीय चरण में 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

नगर पालिका के जो पथ विक्रेता अभी तक योजना का लाभ नहीं ले सके हैं, वे जल्दी करें आवेदन–अजय कुमार सिंह ,अधिशासी अधिकारी

उन्होंने लाभार्थियों से समय पर ऋण अदायगी करने की भी अपील की। महोत्सव के दौरान ऋण वितरण, डिजिटल भुगतान, वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम तथा उत्कृष्ट स्ट्रीट वेंडरों के सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर मिशन प्रबंधक रामसजीवन, सामुदायिक आयोजक विकास कुमार चौरसिया, नगर पालिका के सभासदगढ आदि समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीराम मंदिर का संचालन संतों को सौंपा जाए : माता प्रसाद पांडेय

दान राशि में कथित अनियमितताओं, एनकाउंटर और महंगाई समेत कई मुद्दों पर प्रदेश सरकार को घेरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा ।अयोध्या में प्रभू श्रीराम का मंदिर लोगों के आस्था का केंद्र है।यह मंदिर साधू संतों के हाथ में होना चाहिए। उनमें नैतिकता होती है क्योंकि उनके बाल बच्चे भी नहीं रहते हैं।वे अपने भविष्य की भी चिंता नहीं करते हैं।श्री राम मंदिर ट्रस्ट में ऐसे लोग बैठे हैं जो घर और परिवार वाले हैं।ये कभी अपेक्षा नहीं की जा सकती थी कि श्रीराम मंदिर के ट्रस्ट के सचिव इतने बड़े घपले को समझ न पायें हों। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने श्री राम मंदिर में दान के करोड़ों रुपये की चोरी के संबंध में एक प्रश्न के जबाब में दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या का श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।इसे साधू –संतों को सौंप देना चाहिए।क्योंकि संत मोह और माया से विरक्त होने के कारण उनके पास परिवार नहीं होता है। इसलिए वे इसकी देखभाल बेहतर ढंग से कर सकते हैं। भगवान का नाम दीनानाथ भी है।उनके मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दान किये गए धनराशि को अनाथ आश्रम तथा गुरुकुल और वेद अध्ययन व विद्यालय सहित परमार्थ पर खर्च करना चाहिए।श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाये गये करोड़ो रुपये दान की चोरी वहां पर पिछले कई वर्षों से हो रही है।इतना ही नहीं सोने ,चांदी

और हीरे जवाहरात का चढ़ावा भी वहां से गायब है।चाहे चम्पत राय हों या अनिल मिश्रा ये लोग ट्रस्ट के पदाधिकारी थे ।इन्हें गम्भीरता से इस पर ध्यान देना चाहिए था कि क्या हो रहा है। लेकिन ये लोग अपनी आंख बंद करके लूट को खुला समर्थन देते रहे।जब अखिलेश जी ने इसका मामला उठाया तब जाकर देश के लोगों को इसके बारे में जानकारी हुई। करोडों रुपया ये लोग मंदिर से दान का लूट कर ले गये। हमने समाचार पत्र में पढ़ा कि सिंधी समाज के लोगों ने एक– एक किलो चांदी की 22 ईंट इस मंदिर में दान किया था।उन्हें ट्रस्ट के लोगों ने रशीद भी नहीं दिया। जैसे कोई विदेशी खजाने पर हमला करके लूटे उसी तर्ज पर इन लोगों ने दान के रकम को लूटा है। उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर में सम्पत्ति पर बुलडोजर चलाना क्या राष्ट्रीय क्षति नही है।इस सवाल पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार ने बदले की भावना से कार्य करते हुए तमाम निर्दोष लोगों को बिना किसी अपराध के ही जेल भेज दिया है।एनकाउंटर के बाद सम्पत्ति पर बुलडोजर चलाना राष्ट्रीय क्षति है।ऐसा नहीं होना चाहिए। सरकार की विफलता के सवाल का जबाब देते हुए श्री पांडेय ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार सभी मोर्चे पर पूरी तरह से विफल है। लोगों के बीच मे नफरत पैदा करना ही भाजपा का काम है।सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई और बेरोजगारी तेजी से बढ़कर आसमान में पहुंच चुकी है। इसके कार्यकाल में गरीब, किसान, नौजवान, व्यापारी, महिलाएं सभी त्रस्त हो चुके हैं।नौकरी मांगने पर नौजवानों को पुलिस की लाठी मिलती है। प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक कराकर यह नौजवानों के परिश्रम को मिट्टी में मिलाने का कार्य कर रही है।विदेशी कर्ज में भारत विश्व मे नम्बर एक पर पहुंच गया है।केंद्र सरकार पूंजीपतियों का हज़ारों करोड़ का कर्ज माफ कर चुकी है।लेकिन इसने किसी भी गरीब व किसान का एक भी रुपया का कर्ज नहीं माफ किया । यह देश का सामाजिक बंटवारा करना चाहती है। धर्म का नाम लेकर ये हिन्दू मुस्लिम के बीच में खाई पैदा कर रही है। इस पार्टी के लोग भ्रष्टाचार करके धन इकट्ठा करके वोट चोरी का भी काम करना चाहते हैं। ये लोकतंत्र को कमजोर करके आम जनता का अधिकार समाप्त कर रही है। विधायकों और सांसदों को खरीदकर चुनी हुई सरकारों को गिराने का कार्य तेजी से चल रहा है। भाजपा के लोग राम का नाम लेकर सिर्फ लोगों को गुमराह करते हैं।इसीलिए जहां जहां भगवान राम ने अपने कदम रखे वहां से भाजपा का सफाया हो गया, चाहे वो अयोध्या, इलाहाबाद या चित्रकूट हो। भाजपा सरकार में मंहगाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ने के साथ ही लूट, हत्या, गुंडागर्दी, बलात्कार जैसे जघन्य अपराध दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं। जुमलेबाजी और झूंठ का सहारा लेकर सरकार चल रही है। गांव की गरीब जनता भीषण महंगाई के बोझ के तले दबकर इनसे ऊब गई है और आने वाले 2027 में करारा जवाब जरूर देगी।

चमनगंज–चरकैला मार्ग की धंसी सड़क बनी मौत का गड्ढा, हादसे के बाद भड़के ग्रामीण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिले के चमनगंज–चरकैला मार्ग पर लोक निर्माण विभाग की लापरवाही अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। कई सप्ताह पहले धंसी सड़क आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है, जबकि जिम्मेदार विभाग केवल आश्वासन देने तक सीमित नजर आ रहा है। दो दिन पहले इसी गहरे गड्ढे में गिरकर एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे में उसकी दोपहिया बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।राष्ट्रीय राजमार्ग–28 के चमनगंज चौराहे से करीब 50 मीटर की दूरी पर स्थित यह धंसा हुआ हिस्सा बरसात के चलते और अधिक खतरनाक बन चुका है। गड्ढे में लगातार पानी भरने से सड़क तेजी से टूट रही है और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। इसी मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, स्कूली बच्चे और दोपहिया वाहन चालक गुजरते हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले वर्ष भी बरसात के दौरान इसी स्थान पर सड़क धंस गई थी। शिकायत के बाद विभाग ने मरम्मत तो कराई, लेकिन घटिया निर्माण कार्य पहली ही बरसात नहीं झेल सका और सड़क फिर धंस गई। लोगों का कहना है कि बार–बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई दिखाई नहीं देती।इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के एसडीओ धनंजय पाण्डेय से फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि धंसी सड़क को कर्मचारियों से दिखवाकर जल्द ही मरम्मत करा दी जाएगी।हालांकि ग्रामीण इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि प्रशासन किसी और बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय तत्काल सड़क को दुरुस्त कर लोगों की जान बचाने की दिशा में कार्रवाई करे।

भामाशाह जयंती पर सम्मानित हुए व्यापारी, भामाशाह का त्याग आज भी प्रेरणास्रोत–सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के अंबेडकर सभागार में सोमवार को दानवीर भामाशाह जयंती एवं व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, विधायक विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का जिलाधिकारी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया, जबकि छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि दानवीर भामाशाह महाराणा प्रताप के विश्वस्त सहयोगी और सलाहकार थे। विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने अपनी संपूर्ण संपत्ति राष्ट्र और स्वाभिमान की रक्षा के लिए समर्पित कर दी। उनका त्याग, दानशीलता और मातृभूमि के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है।विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि महाराणा प्रताप के संघर्ष के समय भामाशाह द्वारा दिया गया आर्थिक सहयोग इतिहास का अमूल्य अध्याय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णय के अनुसार 29 जून को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जिससे व्यापारियों के योगदान को सम्मान मिला है।विधायक विनय वर्मा ने व्यापारी समाज को व्यापारी कल्याण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भामाशाह का नाम इतिहास में महान दानवीर के रूप में सदैव अमर रहेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि भामाशाह की दानवीरता आज भी समाज और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करती है तथा व्यापारी वर्ग देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम के दौरान सांसद, विधायकों, भाजपा जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न व्यापारियों को भामाशाह सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया।अंत में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, उपायुक्त सिद्धार्थ सौरभ, बंधु उपायुक्त विजय सिंह बिसेन, सहायक आयुक्त मनोज वर्मा, परमहंस यादव, कुलदीप, राज्यकर अधिकारी जयप्रकाश भारती, महेंद्र प्रताप सिंह, सदाशिव त्रिपाठी, प्रमोद भास्कर सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

11 हजार वोल्ट लाइन की चपेट में आईं मां–बेटी, ग्रामीणों की सूझबूझ से बची जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के बिलवट गांव में सोमवार शाम 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आने से मां–बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों की तत्परता और बिजली आपूर्ति बाधित होने से दोनों की जान बच गई। फिलहाल उनका उपचार चल रहा है और चिकित्सकों के अनुसार दोनों खतरे से बाहर हैं।जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब छह बजे बिलवट गांव निवासी शमशीरा (40) अपने घर में पर्दा लगाने के लिए पड़ोस से लोहे की सीढ़ी लेकर आ रही थीं।

सीढ़ी भारी होने के कारण उनकी 14 वर्षीय बेटी सानिया भी उसे पकड़कर चल रही थी।घर से सीढ़ी निकालते समय वह छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की नंगी बिजली लाइन से छू गई। इससे सीढ़ी तार से चिपक गई और मां–बेटी दोनों करंट की चपेट में आ गईं।इसी दौरान यूज उड़ जाने से बिजली आपूर्ति बंद हो गई।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने लकड़ी की सहायता से सीढ़ी को बिजली के तार से अलग किया और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला।घटना के बाद परिजन घायल मां–बेटी को तत्काल कोनकटी स्थित पूजा क्लिनिक ले गए, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सक डॉ. वसीम ने बताया कि दोनों के हाथ, पैर और सिर में चोटें आई हैं, लेकिन उनकी हालत अब खतरे से बाहर है।

सर्पदंश से युवक की मौत, पोस्टमार्टम के बाद अमहवा घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के लटेरा गांव में सर्पदंश से एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार देर शाम अमहवा घाट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, लटेरा गांव निवासी कमलेश आर्या (37) शुक्रवार रात भोजन करने के बाद अपने बिस्तर पर सो रहे थे। रात करीब 11 बजे उन्हें विषैले सर्प ने डंस लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।परिजन उन्हें तत्काल खुनियांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया। वहां भी स्थिति में सुधार न होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर भेजा गया।गोरखपुर में इलाज के दौरान रविवार को कमलेश की मृत्यु हो गई। शव गांव पहुंचने पर सूचना मिलने पर इटवा पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सोमवार देर शाम पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अमहवा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया। इटवा थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्र ने बताया कि सर्पदंश से मृत्यु के मामले में पोस्टमार्टम कराकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सोमवार को एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंपा । कुलदीप शुक्ला ने ज्ञापन के माध्यम से सहकारी समिति पर आरोप लगाया है कि 250 रुपया में पहुंचाकर खाद सभी समितियों पर पहुंच जाता है लेकिन 266.50 में न देकर 300 में यूरिया दी जा रही वो भी बिना फॉर्मर रजिस्ट्री और खतौनी से ही बल्कि फुटकर विक्रेता फॉर्मर रजिस्ट्री और खतौनी का पालन किया जा रहा है। इन्होंने ये भी कहा कि जो किसान खेत दूसरे का लेकर खेती कर रहे है वह किसान खाद से वंचित हो जा रहे है किसानों को भटकना पड़ रहा है । इन्होंने कहा कि समितियों पर किसान का पासबुक बनाया गया है लेकिन कुछ ऐसे किसान है जो पासबुक बना ही नहीं है और उनके नाम से खेती भी है । जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

सम्पादकीय

उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय–सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र अॉडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ...

चढ़ावे की चोरी के दोषी बख्शे न जाएं

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश–विदेश के राममक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी–चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन–फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतरू प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब–किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय–सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है। निस्संदेह, राम मंदिर भारत व विदेशों में बसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आकांक्षा का प्रतीक है। श्रद्धालुओं का भरोसा बनाये रखने के लिये हर आक्षेप की पारदर्शिता से जांच जरूरी है।

डिजिटल हीरा

सेमीकॉन इंडिया आयोजन में देश की पूरी तरह से स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चिप को पेश किया गया। विक्रम नामक चिप को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी ने बनाया है। यह 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर है, जिसे पूरी तरह से देश में डिजाइन किया और बनाया गया है। वर्तमान डिजिटल युग में तमाम सारे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जो आज हमारे जीवन का प्रमुख हिस्सा हैं, इन्हीं सेमीकंडक्टर चिप के सहारे काम करते हैं। जीवन शैली को सहज और सरल बनाने में उपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में प्रयोग होने वाली चिप का उत्पादन गिने–चुने देशों में ही होता है। ताइवान, दक्षिण कोरिया और अमेरिका इसके उत्पादन के केन्द्र–बिन्दु हैं। सेमीकंडक्टर चिप का इतिहास 1947 में ट्रांजिस्टर के आविष्कार से शुरू हुआ, जब अमेरिका के बेल लैब्स के विलियम शॉकली, वाल्टर ब्रेटेन और जॉन बार्डीन ने जर्मेनियम पर आधारित पहला ट्रांजिस्टर बनाया। इसके बाद 1958 में टेक्सास के जैक किल्बी ने जर्मेनियम का उपयोग करते हुए विश्व के पहले इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) का निर्माण किया। भारतीय संदर्भ में सेमीकंडक्टर के इतिहास पर नजर डालें तो अस्सी के दशक के आरम्भ में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण हेतु चंडीगढ़ में सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स लिमिटेड की स्थापना की गई थी। तकनीकी एवं आर्थिक कारणों से सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में अवरोध उत्पन्न होने के कारण लम्बे समय तक देश को इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ा। दूसरे देशों पर निर्भरता की एक लम्बी यात्रा पूरी करने के बाद अपनी पहली पूर्ण स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप विक्रम के निर्माण पश्चात भारत ने अब अगली जनरेशन की सेमीकंडक्टर तकनीक में कदम रख दिया है। सरकार की पहल पर भारत में सेमीकंडक्टर इंडिया कार्यक्रम का आरम्भ 2021 में हुआ। इसके अंतर्गत 2023 में पहले प्लांट को मंजूरी मिलने के बाद कई अन्य परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली। इस मिशन के अंतर्गत 76000 करोड़ रुपये का सरकारी बजट भी निर्धारित कर दिया गया है। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में वैश्विक संभावनाएं हैं। इस समय वैश्विक बाजार लगभग 600 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। ऐसे में भारत के लिए व्यापक अवसर यहां उपलब्ध हैं। ऐसी सम्भावना जताई जा रही है कि 2026 तक भारत में इस क्षेत्र में लगभग दस लाख नए रोजगार सृजित किये जाने की उम्मीद है।

भरोसे के संकट को दूर करने की जरूरत

अपराधी तलाश करने की जगह छात्रों की मेहनत और अध्यापकों के नैतिक कर्तव्य पर विश्वास को प्राथमिकता दी जाए तो परीक्षाओं की ईमानदारी से करवाने की इस जटिल गुत्थी को सुलझाने में तनिक भी देर नहीं लगेगी। आने वाला भारत डिजिटल होने जा रहा है। यहां शिक्षा के अलग–अलग आयामों में आमूलचूल परिवर्तन होगा। एआई तकनीकें सामने आ रही हैं। साइबर शक्ति बढ़ रही है। इन्हें सीखने का क्रम ...

अगर थोड़ा–सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे। सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत में ज्ञानार्जन की समस्या है, पुस्तक संस्कृति के घटते जाने की समस्या है। हमने 2024 में नीट की परीक्षा आयोजित की। नकल और अवैध तरीकों के इस्तेमाल के कारण परीक्षा की शुद्धघ्ता बुरी तरह से प्रभावित हुई और लाखों छात्रों को पुनरू परीक्षा देनी पड़ी। यदि इस अनुभव से सबक लेते तो इस बार दोबारा परीक्षाएं आयोजित न करनी पड़ती। लेकिन 2026 में जब फिर नीट परीक्षा आयोजित हुई तो फिर पेपर लीक का मामला उजागर हुआ। इस घटनाक्रम ने देश की पठन–पाठन, शिक्षा प्रणाली और मूल्यांकन की शुचिता के बारे में बड़े सवाल पैदा कर दिए हैं। भारत के युवाओं का भविष्य सटीक ज्ञान के बगैर अधूरा है और चोर गलियों से सफलता के प्रतिमान स्थापित नहीं किए जा सकते। देश में नीट की परीक्षा दूसरी बार जिस तरह आयोजित हुई, जिनकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई। प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए वायुसेना का इस्तेमाल, टेलीग्राम एप को बंद कर देने जैसे उपाय छात्रों को त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्रों में भेजा गया। बायोमीट्रिक जांच हुई, फिजिकल जांच हुई, दूसरे दस्तावेज जांचे गए। सात लाख सुरक्षा कर्मी और पर्यवेक्षक तैनात रहे। हर परीक्षा कक्ष में एक सीसीटीवी

कैमरा लगाया गया। करीब 1.38 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 95 हजार कक्षों पर नजर रखी गई और छात्र जाम में न फंसें, इसलिए प्रधानमंत्री भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट रुके रहे। इसके बावजूद बिहार में 9 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए । जिनमें 7 मेडिकल के छात्र थे। सबसे पहले जब पहली बार परीक्षा हुई तो 23 लाख छात्रों ने परीक्षा दी, इस बार दोबारा परीक्षा हुई तो 20 लाख छात्र परीक्षा देने बैठे। पहला सवाल यही है कि दो लाख से अधिक छात्र दोबारा क्यों नहीं बैठे? चाहे रिपोर्ट कहती है कि परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई है और कहीं गड़बड़ी की सूचना नहीं है। लेकिन गड़बड़ी तो पहले ही पैदा हो गई थी जब पहली परीक्षा के बाद दोबारा परीक्षा की घोषणा से पूरे देश में अवसादग्रस्त होकर कई युवा छात्रों ने आत्महत्या कर ली। केन्द्र सरकार के दर्जनों मंत्रालयों के साथ राज्य सरकारों व एजेंसियों ने 37 दिनों तक एकजुट होकर काम किया। यह सही है कि परीक्षाएं पूरी तरह से सफल रहने की घोषणाएं की जा रही हैं लेकिन असल में ये कितनी सफल हुई हैं इसका पता तो परिणामों की घोषणा के साथ ही चलेगा। शिक्षाविदों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि अचानक इतने वर्षों के बाद परीक्षा व्यवस्था इतनी भयावह समस्या क्यों बन गई कि इसके आयोजन के लिए वायुसेना से लेकर लाखों पुलिसकर्मियों की मदद लेनी पड़ीय और इसके बावजूद बड़े पैमाने पर नकल करते हुए छात्र पकड़े जा रहे हैं। क्या इस स्थिति का मूल कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली के प्रति पैदा हुआ अविश्वास है? आज कुछ संस्थाएं परीक्षा की ठेकेदारी कर रही थीं, उन्हीं पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने पेपर लीक किए हैं। क्यों विद्यार्थियों पर इतना अविश्वास किया गया कि उनके परीक्षा केन्द्र बदलकर उन्हें दूर–दूर तक परीक्षा देने जाना पड़ा। जैसे पहले के वर्षों में चलता रहा है क्या उसी तरह से परीक्षाएं उन्हीं केन्द्रों में नहीं करवाई जा सकती थीं, जहां से छात्र संबंध रखते थे। अगर थोड़ा–सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे अभी भी 90 प्रतिशत शिक्षक ऐसे ही हैं। उन मासूम छात्रों के बारे में सोचा जाए जिन्होंने दिन–रात एक करके पूरी मेहनत से परीक्षाएं दीं लेकिन अचानक उन्हें यह संदेश दिया गया कि पिछली मेहनत व्यर्थ है, अब दोबारा परीक्षा दो। हम समझते हैं कि इस समस्या का समाधान यही है कि परीक्षा लेने वालों और परीक्षा देने वालों पर पूरा विश्वास किया जाए। उनके लिए सुविधाजनक केंद्र बनाए जाएं। तब असामाजिक तत्व सारा तंत्र बिगड़ने पर आमादा हो जाएं तो उन्हें चुनकर बाहर फेंकना आसान हो जाएगा। इस समय परीक्षा प्रणाली में आमूल–चूल परिवर्तन की जरूरत है। यह नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, पूरी मेहनत और शिक्षण और शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण के बिना नहीं हो सकता। अपराधी तलाश करने की जगह छात्रों की मेहनत और अध्यापकों के नैतिक कर्तव्य पर विश्वास को प्राथमिकता दी जाए तो परीक्षाओं की ईमानदारी से करवाने की इस जटिल गुत्थी को सुलझाने में तनिक भी देर नहीं लगेगी। आने वाला भारत डिजिटल होने जा रहा है। यहां शिक्षा के अलग–अलग आयामों में आमूलचूल परिवर्तन होगा।

बीते हफ्ते जब हालात धुंधला रहे थे और लोग सोच रहे थे कि आगे क्या होगाय राज्य का परिदृश्य है कि सूबा एक ऐसी धुरी पर घूम रहा है जिसे उसने खुद नहीं बनाया। अमृतसर में श द ट्रिब्यूनश के पत्रकार पवन के. जायसवार का कहना है कि भारत–पाकिस्तान सीमा पर रोजाना हेरोइन और छोटे हथियारों की बरामदगी बढ़ रही हैय पुलिस अफसरों का कहना है कि सीमा पार से आने वाले...

पंजाब में खिसकती सियासी जमीन के मायने

पंजाब की राजनीति में हालिया मुद्दों के चलते विधानसभा चुनाव से कुछ माह पूर्व ही आम आदमी पार्टी के पक्ष में बना संतुलन हिल गया है। आरोपों से घिरे मुख्यमंत्री पलटवार कर रहे हैं, वहीं भाजपा पैठ बनाने की फिराक में है। अकाली दल अकेले दम बड़ी ताकत नहीं। बेशक फूट के बावजूद कांग्रेस का आधार है। क्या सीएम इन हालात से पार पा सकेंगे? पंजाब की राजनीति में पिछला हफ्ता कुछ ज्यादा ही गर्म रहा। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन हाल ही में राज्य के दौरे पर थे य उन्होंने अमृतसर, लुधियाना व जालंधर का दौरा किया ताकि 2027 के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनौतियों की थाह ले सकें। जैसे ही नबीन पंजाब से लौटे, एक पुराना वीडियो सामने आया जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला कृत्य करते दिख रहे हैं, जिसने हर ओर हलचल मचा दी। अकाल तख्त, जिसे व्यापक तौर पर आस्था के मामलों में सिखों द्वारा सर्वोच्च सत्ता माना जाता है, ने इस वीडियो को लेकर मान को दोषी ठहराया हैय विपक्षी दलों ने भी ऐसा ही किया। मान ने अपने बचाव में भाजपा–शासित गुड़गांव की एक लैब से मिली 'क्लीन चिट' का हवाला दिया–परंतु, जल्द ही हरियाणा पुलिस ने क्लीन चिट की एवज में पैसे के लेन–देन के आरोप में उस लैब के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। क्या मान इस संकट से उबर पाएंगे? क्या इससे 'आप' को बड़ा नुकसान होगा, वह

पार्टी जिसने दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ जन–आंदोलन से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी या क्या पार्टी पिछले हफ्ते के झटके से उबरकर संकट को अवसर में बदल पाएगी? पिछले हफ्ते तक, ऐसा लग रहा था कि 'आप' आसानी से आगे बढ़ रही है और विपक्ष बिखरा पड़ा है, कोई दल गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं। मुख्यमंत्री मान के बीच–बीच में शाम ढले होने वाले चुनावी दौरे शायद ही सतलुज नदी में तरंगें उठा पाए हैं (जिसमें अभी उफान नहीं आया था)। साथ ही अरविंद केजरीवाल के मुफ्त सुविधाओं के चतुर वादों के साथ–जो लगता है भाजपा की सफल रही रणनीति की नकल है–जिसमें महिलाओं को पैसे देना (अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रु. प्रतिमाह तो अन्य को 1,000 रु.) और सफाई कर्मचारियों, स्कूल शिक्षकों व सरपंचों जैसे महत्वपूर्ण समूहों की शिकायतें दूर करने का वादा शामिल है, 'आप' एक ऐसा फॉर्मूला तैयार कर रही है जिसमें हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। पंजाब सांसें थामे इंतजार कर रहा है और सवाल है कि क्या वीडियो से छिड़ी राजनीतिक लड़ाई इस सप्ताह भी जारी रहेगी।। पिछले हफ्ते तक, भाजपा को दौड़ में सिर्फ एक प्रतिभागी भर माना जा रहा थाय लेकिन मची उथल–पुथल के बीच, वह महसूस कर रही कि शायद सियासी जमीन पर पांव जम सकता है। महत्वाकांक्षा को सदैव लोगों को साथ जोड़ने वाली चीज माना जाता है, लेकिन सवाल है कि क्या यह काफी है? चुनाव में करीब छह माह बचे हैं, क्या भाजपा के पास विधानसभा की सभी सीटों पर लड़ने योग्य 117 उम्मीदवार हैं? गृह मंत्री अमित शाह और नितिन नबीन जैसे वरिष्ठ भाजपा नेताओं का तो मानना घ्है कि हो जाएंगे। श्द ट्रिब्यूनश की जमीनी रिपोर्ट कहती है कि अकेले अपने दम पर न तो शिरोमणि अकाली दल और न ही भाजपा की स्थिति मजबूत हैय हां, गठबंधन होने पर, मुकाबला करने लायक हो सकते हैं। मेरी सहयोगी अदिति टंडन ने हाल ही में एक वरिष्ठ भाजपा नेता का हवाला दिया है, जिन्होंने नाम न बताने की शर्त पर कहा है कि 'राजनीति में कुछ भी संभव है' । इसीलिए गत सप्ताह, जब पंजाब में सियासी परिदृश्य बदल रहा है, सवाल हैरू क्या भाजपा व शिरोमणि अकाली दल, जिनमें 2020 में मोदी सरकार के कृषि कानूनों को लेकर कटु अलगाव हुआ था, आखघ्रि क्या फिर साथ आएंगे? निश्चित तौर पर, 'राजनीति में एक हफ्ता बहुत लंबा समय होता है', यह एक ऐसी आम बात है जिसे हर राजनेता मानता है–सिवाय राहुल गांधी के, जिनके पास शायद अन्य ज्यादा जरूरी काम हैं, जबकि बीते हफ्ते ही दिल्ली में पंजाब के नए प्रदेशाध्यक्ष को लेकर अहम बातचीत बमुश्किल पूरी हो पाई। याद रहे ,हाल ही में शहरी निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी के बाद कांग्रेस दूसरे नंबर पर थी, जिससे पता चलता है कि भले ही राज्य में पार्टी बंटी है–मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं–फिर भी कांग्रेस की विचारधारा के प्रति लोगों में थोड़ी–बहुत वफादारी अभी भी बची है। अकाली दल के लिए बड़ी चुनौती है–क्या पंजाब के लोग उसे 'बेअदबी' के दोषियों के खघ्लिाफ सखघ्त कार्रवाई न करने के लिए माफ कर पाएंगे? यह घटना 2015 में बरगाड़ी कस्बे में हुई थी, जब पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के पन्ने फटे मिले थे–तब अकाली सरकार थी। निश्चित ही, पिछले हफ्ते विपक्ष भगवंत मान पर कथित वीडियो में वैसी ही गलती करने का आरोप लगा रहा है– जिसे मान और 'आप' जोरदार ढंग से नकार रहे हैं। इसीलिए आगामी दिन चुनाव प्रचार की चाल–ढाल तय करें गे । क्या मुख्यमंत्री इस मुश्किल दौर से पार पा सकेंगे और अपनी बेगुनाही साबित कर पाएंगे? या क्या पंजाब 2027 में 'आप' के साथ वही करेगा जो उसने 2017 में अकाली दल के साथ किया था? 2027 की लड़ाई तो अभी शुरू ही हुई है। अकाल तख्त ने पहले ही आदेश दे दिया है कि पंजाब भर के ऐतिहासिक गुरुद्वारों में मान की निंदा वाले बैनर लगाए जाएं। कई जगह इस पर अमल हो भी गयाय लेकिन ऐसी खबरें भी हैं कि कुछ स्वतंत्र प्रबंधन व सिंह सभा से जुड़े गुरुद्वारों में अभी ऐसा नहीं किया। स्थिति अभी भी साफ नहीं है। एक और तथाकथित पार्टी है, श्वारिस पंजाब देश, जिसके सांसद अमृतपाल सिंह खडूर साहिब सीट से तब चुने गए थे जब वे असम की जेल में थे व अभी वहीं हैं। पंजाब में हालात बदल रहे, नए माहौल में इस दल की स्थिति क्या होगी?

चीन के नजदीक अचानक पहुंचे अमेरिका के खतरनाक बी–2 बॉम्बर्स, जिनपिंग का पारा हो गया हाई, फिर...

अमेरिका और चीन के बीच हथियारों की मोर्चाबंदी तेज होती जा रही है और दोनों देश एक ऐसी रेस में भिड़ चुके हैं जिसका नतीजा कुछ और नहीं बल्कि सिर्फ जंग है। अमेरिका और चीन की हथियार रणनीति ने साउथ चाइना सी से लेकर पूरे पेसिफिक में जंग के कई मोर्चे खोल दिए हैं और दोनों देश एक दूसरे के हथियारों की काट तलाश रहे हैं। अमेरिकी स्पिरिट स्टिल द बॉम्बा वर्सेस चाइनीस एच20 बॉम्बा। अमेरिकी थ47 फाइटर जेट वर्सेस चाइनीज श्र36 लड़ाकू विमान अमेरिकी एयरफोर्स लॉन्ग रेंज वेपन वर्सेस चाइनीस डोंगफिंग 15 बी हथियारों की इस होड़ ने दो ताकतवर मुल्क अमेरिका और चीन को कई मोर्चों पर आमने–सामने खड़ा कर दिया है। मिडिल ईस्ट से लेकर साउथ चाइना सीधा ईरान मोर्चे पर पर्दे के पीछे लेकिन ताइवान के फ्रंट पर बिल्कुल प्रत्यक्ष चीन के नजदीक अमेरिकी स्पिरिट स्टथ बमबर क्यों उड़ान भर रहा है?

चीन की मिसाइलों का ईरान के हमलों से क्या कनेक्शन है?

घातक हथियारों के रेस ने अमेरिका बनाम चीन के बीच वार फ्रंट को खुला और खतरनाक बना दिया है। अमेरिका पेसिफिक ओशियन में ठीक उस जगह वॉर एक्सरसाइज को अंजाम दे रहा है जहां चीन अपना दबदबा दिखाने के लिए दूसरे देशों की समुद्री सीमा में घुसपैठ करता रहता है। अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने एक्सरसाइज डायमंड स्टॉर्म को जमीन पर उतार दिया है। इस वॉट रेल में यूएस एयरफोर्स का बी टू ए स्पिरिट स्थित बमबर भी शामिल था। मोबाइल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के बेस एंबरली पर स्पिरिट ऑफ टेक्सस नाम के इस एयरक्राफ्ट की मौजूदगी को चीन के लिए रणनीतिक मैसेज माना जा रहा है। इंडोपेसिफिक में बी टू स्पिरिट बम्बर का दिखाई देना अमेरिका की हाई लेवल तैयारी का हिस्सा है। बी2 के यहां होने का मतलब है कि अमेरिकी एयरफोर्स ऑस्ट्रेलिया से ऑपरेट करके चीन के पास साउथ चाइना सी और ताइवान स्टेट तक लंबी दूरी के हमले कर सकती है। इस बम्बर को चीन आसानी से डिटेक्ट नहीं कर सकता क्योंकि बी टू स्पिरिट स्ट्रेंथ बमबर का रडार क्रॉस सेक्शन काफी कम है। इसकी रेंज 11,000 किमी से ज्यादा है और यह बमबर 16,000 किलो से ज्यादा वजनी बम टारगेट तक लेकर जा सकता है। ठ2 में पारंपरिक बम के साथ ही न्यूक्लियर वॉर हेड वाले जेडीएम स्मार्ट बम और क्रूज मिसाइल भी फिट हो सकते हैं। दावा यह भी है कि ईरान की एटमी साइड

को जमीनदोज करने के लिए अमेरिका ने ऑपरेशन एपिक फेयर के दौरान बी टू स्पिरिट बमबर का इस्तेमाल किया था। मिडिल ईस्ट की जंग ने अमेरिकी नजरों में चीन की मिसाइलों को भी दहशत की वजह बना दिया। खाड़ी मुल्कों के अमेरिकी पेस पर ईरान की मिसाइलों के कहर में चीन की मिसाइलों की डिजाइन भी वजह बताई जा रही है। इनमें ईरान की फतेह 11 और फतेह वन मिसाइलों ने यूएई कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम के परखच्चे उड़ा दिए थे।

ईरानी मिसाइलों की ये ताकत चीन की डोंग फ्रेंग 15 बी यानी डीएफ 15 बी मिसाइल की तरह कही जा रही है। ठ15 बी मिसाइल की बाइकनिक मैनवरिंग रीएट्री व्हीकल डिजाइन जिसे अमेरिकी पेट्रियट और थार जैसे मॉडर्न एंटी मिसाइल सिस्टम के खिलाफ माकुल कहा जा रहा है। जाहिर है अमेरिकी वायुसेना को इसकी कार्ड की जबरदस्त जरूरत महसूस हो रही है। साउथ चाइना सी से लेकर फिलीपींस सागर और जापान सागर तक चीन के सामने अमेरिका को अपनी साख बचाए रखनी है तो फिर उसे अपनी मिसाइलों को और भी विनाशकारी बनाना होगा। इसीलिए अमेरिकी एयरफोर्स की नजर अब 1000 नॉटिकल मील की रेंज वाली नई स्टैंड ऑफ मिसाइल पर है जो एक एयरफोर्स लॉन्ग रेंज वेपन की तरह होगा।

इस नई मिसाइल की रेंज 10,850 किमी तक हो सकती है। जिसका निशाना मेनलैंड चाइना हो सकता है। फिलीपींस के उत्तरी लजोन या दक्षिणी जापान में तैनात होने पर यह मिसाइल चीन के पूर्वी और दक्षिणी समुद्री तटों को सीधे अपनी रेंज में ले सकती है। इतना ही नहीं साउथ चाइना सी में चीन के बनाए कृत्रिम द्वीप, नौ सैनिक अड्डे और ताइवान स्टेट में मौजूद चीन के कमांड सेंटर इस मिसाइल का सीध टारगेट बन सकते हैं।

चीन की एयर पावर को देखते हुए अमेरिकी एयरफोर्स के अंदर हलचल तेज हो गई है। यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाले हालात हैं। अमेरिका सिक्स्थ जनरेशन का लड़ाकू विमान F47 का निर्माण कर रहा है। जिसकी कीमत 2,832 करोड़ बताई जा रही है।

F47 अभी भी डेवलपमेंट के स्टेज में इसकी पहली ऑफिशियल उड़ान 2027 या 2028 में हो सकती है। लेकिन रेंज और स्पीड को लेकर अमेरिका संशय में है। चीन अमेरिका के नए एयरक्राफ्ट की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। चीन छठी पीढ़ी के दो लड़ाकों में मार शेंगदू जे36 और शेन यांग जे50 को बेड़े में शामिल करने की फिराक में। अमेरिकी 47 की रेंज को देखते हुए चीन अपने नए विमानों में बदलाव करने के मूड में है। इंडोपेसिफिक बहुत बड़ा इलाका है। गुवाम और जापान का ओकिनावा जैसे अमेरिकी बेस दूर–दूर पर फैले हुए हैं। चीन को काउंटर करने के लिए अमेरिका को रेंज वाले हथियार चाहिए। ये एक वक्त था जब चीन अमेरिकी हमलों से बचने के लिए ढाल बनाने की कोशिश करता था। लेकिन अब अमेरिका को चीन का काउंटर करना पड़ रहा है। दोनों की इस रेस ने दुनिया में हर मोर्चे पर जंग की चिंगारी भड़का रखी है।

भीषण बमबारी के बीच भारत के जहाज ने किया तगड़ा धमाका, देखती रह गई दुनिया!

एक बार फिर से अमेरिका और ईरान ने युद्ध विराम तोड़ते हुए एक दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरुआत कार्गो विमान पर हमले के बाद हुई जिसके बाद अमेरिका भड़क उठा। ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए उन पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर दिया। तो ईरान ने भी अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाया है। कुछ दिन पहले ही दोनों देशों के बीच शांति समझौता हुआ था। लेकिन होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर बात बिगड़ गई और अब एक दूसरे को दबाने के लिए हमले शुरू हो गए। मगर इन हमलों के बीच भारत के जहाज ने कुछ ऐसा किया कि सब देखते रह गए। दरअसल जिस वक्त ईरान

और अमेरिका की ओर से बमों की बारिश हो रही थी उसी दौरान भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज एपीजे प्रीति टू होर्मुज को पार कर गया। हॉर्मूज से सुरक्षित निकलने वाला ये जहाज भारत के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। इस जहाज में करीब 65,000 मीट्रिक टन उर्वरक लदा है। यह जहाज उन जहाजों की प्राथमिक लिस्ट में शामिल था जिन्हें सबसे पहले सुरक्षित बाहर निकालने की योजना बनाई गई थी। जहाज ने ईरान की ओर से तय किए गए रास्तों का इस्तेमाल करते हुए होमज को पार किया। इस जहाज का आना भारत के किसानों के लिए राहत की खबर इसलिए है क्योंकि खरीफ की फसलों की बुवाई शुरू हो गई है। जिस जोखिम भरी जगह को हमारा जहाज पार करके निकला है। यह वही इलाका है जहां कुछ घंटे पहले एक तेल टैंकर पर हमला हुआ था। जिसके बाद समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने खतरे का स्तर बढ़ा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक फारस की खाड़ी में होर्मुज के पश्चिम में 15 भारतीयों वाले जहाज अब भी फंसे हुए हैं। इनमें एक ऊर्जा कारगो जहाज, चार उर्वक ले जाने वाले जहाज और 10 अन्य जहाज शामिल हैं। सरकार इन सभी जहाजों को जरूरत पड़ने पर सुरक्षित निकालने की तैयारी में है। अब तक भारत आने वाले 44 जहाज और मुझ पार कर चुके हैं। जिसमें 17 भारतीय झंडे वाले और 27 विदेशी झंडे वाले जहाज शामिल हैं। इनमें कच्चे तेल के टैंकर, एलपीजी और एलएनजी कैरियर, बल कैरियर, कंटेनर जहाज और अन्य मालवाहक पोत भी शामिल है। दरअसल ईरान ने स्टेट ऑफ फार्मच को बहुत जल्द दोबारा खोले जाने का दावा किया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अगारची ने इसे ईरान और अमेरिका के बीच साइन हुए समझौते का हिस्सा बताया। इसके तहत औरच अगले 30 दिनों में ठीक उसी तरह खुल जाएगा जैसे वह जंग से पहले था। हालांकि ईरानी मंत्री ने कहा किच का प्रबंधन पूरी तरह से ईरान के तय की गई व्यवस्था के तहत होगा। ईरान ने यह भी साफ किया है कि अगर होमज में किसी भी तरह की दखलअंदाजी की गई तो इसे फिर से खोलने में देरी होगी और क्षेत्र में तनाव का स्तर और बढ़ जाएगा।

US Open Final में खिताब से चूके Srikanth Kidambi , रोमांचक मुकाबले में मिली हार

भारत के किदांबी श्रीकांत को अपने से नौ साल छोटे चीनी ताइपे के सु ली यांग के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में तीन गेम

तक चले मैच में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन वह विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सु की गति का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर में एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 15–21, 21–16, 9–21 से हार गए। श्रीकांत ने पिछले साल मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में भी दूसरा स्थान हासिल किया था। सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे श्रीकांत की गलतियों का फायदा उठाकर सु ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की और 7–2 की बढ़त बना ली। श्रीकांत ने वापसी करते हुए अगले 11 में से आठ अंक जीते और स्कोर 10–10 से बराबर कर दिया। हालांकि ब्रेक के बाद चीनी ताइपे के शटलर ने वापसी करते हुए रैलियों की गति तेज कर दी और 17–12 से बढ़त बना ली। सु ने इसके बाद छह गेम प्वाइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने एक प्वाइंट बचाया, लेकिन फिर शटल को बाहर मार दिया, जिससे सु ने 17 मिनट में पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने लगातार तीन अंक जीतकर 7–4 की बढ़त बना ली, लेकिन सु ने जल्द ही 8–8 से बराबरी कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने एक शानदार बैकहैंड क्रॉस–कोर्ट नेट शॉट से 10–8 की बढ़त बनाई। श्रीकांत ने इसके बाद भी अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए उसे 18–13 कर दिया और फिर सात गेम प्वाइंट हासिल किए। सु ने तीन गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन श्रीकांत ने एक जोरदार स्मैश से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में सु ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 4–1 की बढ़त हासिल कर ली। श्रीकांत ने इस बीच गलतियां की जबकि चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल जारी रखते हुए बढ़त को 15–7 तक पहुंचा दिया। श्रीकांत के एक और वाइड रिटर्न के बाद सु ने 12 मैच प्वाइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने एक अंक बचाया, लेकिन वह अपना संघर्ष जारी नहीं रख पाए और सु ने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

विश्व कप नॉकआउट में कनाडा की पहली ऐतिहासिक जीत, यूस्टाक्वियो 92वें मिनट में बने नेशनल हीरो

स्टीफन यूस्टाक्वियो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल किया जिससे कनाडा ने विश्व कप फुटबॉल के पहले नॉकआउट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सोफी स्टेडियम में 90 मिनट से अधिक समय तक निराशा और दक्षिण अफ्रीका की रक्षात्मक रणनीति का जवाब देने में नाकामी के बाद कनाडा ने एक पल में इतिहास रच दिया जब एलिस्टर जॉनसन ने यूस्टाक्वियो का पेनल्टी बॉक्स में ऊंचा पास दिया। लॉस एंजिलिस एफसी के लिए खेलने वाले मिडफील्डर यूस्टाक्वियो ने गेंद को सीने से रोका और फिर नेट के निचले कोने में जोरदार शॉट मारकर गोल कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स के पास इसे रोकने का कोई मौका नहीं था। यूस्टाक्वियो इसके बाद कनाडा के अन्य खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाने के लिए दौड़ पड़े। स्टेडियम में मौजूद कनाडा के दर्शक झूमने लगे जबकि दक्षिण अफ्रीका के प्रशंसक मायूस हो गए। कनाडा ने पहली बार विश्व कप के इतिहास में नॉकआउट मैच जीता। मैच समाप्त होने के बाद कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श ने मैदान पर अपने खिलाड़ियों को इकट्ठा किया और अपने दिल की बात धीरे से नहीं बल्कि काफी जोर से कही। मार्श ने कहा, ''आज आप लोग कनाडा के हीरो हैं। कनाडा की भावी पीढ़ी के लिए आप सभी नायक हैं। आप लोगों की वजह से इस खेल का उज्ज्वल भविष्य है। आपको अपने आप पर गर्व होना चाहिए। आपको इस खेल पर गर्व होना चाहिए। आपने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी।

आप लगातार प्रयास करते रहे, हर अंक के लिए, हर पल के लिए। आप कनाडा के हीरो हैं।'' कनाडा के व्यस्त खेल कैलेंडर में फुटबॉल को कभी भी प्राथमिकता में नहीं रखा गया। उसकी टीम तीसरी बार विश्व कप में खेल रही है लेकिन अब मार्श को विश्वास है कि यह जीत देश के लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। मार्श ने कहा, ''अगर हमने पहले मिले मौकों का फायदा उठाया होता, तो हम अपने लिए चीजें थोड़ी आसान कर सकते थे।

यह रोमांचक जीत है और मुझे लगता है कि कनाडा में इसका जो असर होगा और लोगों को इससे जो प्रेरणा मिलेगी, वह बहुत महत्वपूर्ण होगी।'' कनाडा की जीत के नायक निश्चित तौर पर यूस्टाक्वियो थे जिन्होंने तब गोल किया जब लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंच जाएगा। दक्षिण अफ्रीका यही प्रयास कर रहा था। यूस्टाक्वियो ने कहा, ''हमने इसके लिए मेहनत की थी। यह एक विशेष टीम है। हम एक दूसरे के लिए खेलते हैं। हम बेहद खुश हैं लेकिन मैं अभी यह नहीं कहूंगा कि काम पूरा हो गया है।'' कनाडा अंतिम 16 में शनिवार को ह्यूस्टन में नीदरलैंड या मोरक्को का सामना करेगा। कनाडा और दक्षिण अफ्रीका दोनों अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे थे और दोनों टीम की नजर नॉकआउट में अपनी पहली जीत पर थी। दर्शकों में कनाडा के समर्थक अधिक थे लेकिन टीम दक्षिण अफ्रीका की मजबूत रक्षापंक्ति को नहीं भेद पाई। कनाडा को 75वें मिनट में तब मजबूती मिली जब स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस विश्व कप में अपना पहला मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरे। वह मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ग्रुप चरण के मैच नहीं खेल पाए थे। डेविस ने तुरंत ही दिन का सबसे बेहतरीन पास देकर प्रॉमिस डेविड को एक सुनहरा मौका दिया, लेकिन इस फॉरवर्ड ने शॉट बाहर मार दिया। इसके बाद खेल फिर से धीमा पड़ गया। लेकिन यूस्टाक्वियो ने मैच को अतिरिक्त समय तक नहीं जाने दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए विलियम्स ने पांच बचाव किए। उसकी टीम ने भी कुछ मौके बनाए लेकिन केवल एक शॉट ही गोल पर मार पाई। दक्षिण अफ्रीका के कोच ह्यूगो ब्रूस ने कहा, ''हम इसलिए हार गए क्योंकि हमारे प्रतिद्वंदी की तुलना में हमारी टीम में ताकत और गति की कमी थी। इसमें कोई शक नहीं। लेकिन टूर्नामेंट में हमने अच्छा प्रदर्शन किया और इससे हम काफी हद तक संतुष्ट हो सकते हैं।

नॉर्थ कोरिया ने उड़ाई ट्रंप की नींद, परमाणु हथियारों से...

नॉर्थ कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन लगातार ताकत बढ़ाने में जुटा है। किम जोंग ने उन्नत बैलेस्टिक मिसाइल और लंबी दूरी की तोपों के परीक्षण का निरीक्षण किया। नॉर्थ कोरिया की सेना को और आक्रामक बनाने का निर्देश दिया। किम के फैसले से साउथ कोरिया और अमेरिका परेशान है। मिसाइलों की मजबूती को किम ज्यादा तरजीह दे रहा है। अभी दो दिन पहले नॉर्थ कोरिया का तानाशाह किम जो मिसाइल साइट पर पहुंचा था। उसने मिसाइल टेस्ट को तेज करने को कहा है। रिपोर्ट आ रही है कि किम ने मिसाइलों का साइट पर जाकर जो लेखा जोखा देखा उसको लेकर उसका मकसद एडवांस्ड मल्टी रॉकेट लॉन्च्ड सिस्टम वाली टेक्निकल बैलेस्टिक मिसाइल के लिए विशेष मिशन वाले हथियारों के क्षमता का मूल्यांकन करना था। जिनमें होवेजर तोप की लॉन्ग रेंज फायरिंग के साथ गोलाबारी की सटीकता हासिल करना था। किम केवल मिसाइलों पर ही फोकस नहीं कर रहा बल्कि वह समंदर में भी अपनी ताकत को बढ़ा रहा है। किम जोंग हुन ने पश्चिमी बंदरगाह नापो में 5000 टन वाले नए डिस्ट्रॉयर चोहन को नौसेना में शामिल कर लिया है। इसे परमाणु हथियारों से लैस वॉरशिप बताया जा रहा है। चोए होन उन दो 5000 टन वजनी युद्धपोतों में से एक है जिसकी पहली लॉन्चिंग पिछले साल की गई थी। इस मौके पर किम जोंग के संदेश को बेहद अहम माना जा रहा है। किम जोंग ने कहा नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने का कार्यक्रम अपनी तय योजना के अनुसार सही ढंग से आगे बढ़ रहा है। यह बहुत अहम रणनीतिक कदम है क्योंकि इससे सेना को कई तरह के और असरदार ऑपरेशन के लिए तैयार रखना मुमकिन हो सकेगा। उत्तर कोरिया की तरफ से 5000 टन से बेहतर डिस्ट्रॉयर के निर्माण की बात कही जा रही है। किम जोंग का कहना है कि जल्द ही बेहद ताकतवर डिस्ट्रयर कांगकोन को तैनात किया जाएगा। इसके बाद 10,000 टन के रणनीतिक युद्धपोत लांच किए जाएंगे। मार्च 2026 में इस जहाज से परमाणु क्षमता वाले क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी किया गया था। किम ने दावा किया कि नए हथियारों से उत्तर कोरिया के समुद्री संप्रभुता नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है। गौर करने की बात यह है कि उत्तर कोरिया लगातार अपनी परमाणु ताकत में इजाफा कर रहा है। आखिर परमाणु हथियारों पर उत्तर कोरिया का फोकस क्यों है? उत्तर कोरिया ने दर्जनों परमाणु हथियार और उसे दागने वाली मिसाइलें विकसित की हैं। उत्तर कोरिया का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम मुख्य रूप से अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के खतरे से निपटने के लिए है। उत्तर कोरिया खुद को एक आधिकारिक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र घोषित कर चुका है और उसने अपने संविधान में भी इसका जिक्र किया है।

पत्रकार लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ, निष्पक्षता बनाए रखें

जौनपुर। पत्रकार प्रेस क्लब द्वारा पत्रकार भवन में पत्रकारिता विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पत्रकार प्रेस क्लब के संस्थापकध्प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक रहे। संगोष्ठी में जिले के अनेक पत्रकारों ने भाग लेकर पत्रकारिता से जुड़े समसामयिक विषयों पर विचार–विमर्श किया।मुख्य अतिथि ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन और प्रसारण भर नहीं है, बल्कि यह समाज को सही दिशा देने का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। पत्रकार लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है, जिसकी निष्पक्षता, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व पर जनता का विश्वास टिका होता है। प्रेस क्लब के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज भूषण मिश्रा ने पत्रकारों से आग्रह किया कि वे निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। प्रेस क्लब जौनपुर इकाई के जिला अध्यक्ष कृपा शंकर यादव ने पत्रकारिता के समक्ष आने वाली चुनौतियों, बदलते तकनीकी परिवेश और पत्रकारों के अधिकारों एवं सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

विंबलडन में वापसी से पहले सेरेना विलियम्स का बड़ा बयान, बोलीं– Doping System से नफरत है

सेरेना विलियम्स ने विंबलडन में वापसी से पहले टेनिस की डोपिंगरोधी प्रणाली पर निशाना साधते हुए इसे 'गैर पेशेवर' और 'अनुचित' करार देते हुए कहा कि उन्हें इससे नफरत है। सात बार की विंबलडन चैंपियन और दो बच्चों की मां 44 वर्षीय सेरेना ने कहा, ''यह बहुत थका देने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने अब नियम बदल दिए हैं। मुझे कुछ नियमों की जानकारी नहीं थी। अगर आप निर्धारित समय सीमा के अंदर नमूना नहीं देते हैं तो भी उसे अनुपस्थित ही माना जाएगा। मुझे लगता है, शायद मैं अपने बच्चों को लेने नहीं जा पाऊंगी।'' उन्होंने कहा, ''यह गैरपेशेवर है। मुझे इससे नफरत है। यह जरूरी है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं निर्धारित समय सीमा के बाहर कहीं जाना चाहती हूं, तो मुझे बिना किसी कारण के जाने की अनुमति मिलनी चाहिए और इसे अनुपस्थित नहीं माना जाना चाहिए।'' सेरेना विंबलडन की महिला एकल में अपना पहला मैच मंगलवार को माया जाइंट के खिलाफ खेलेगी। उन्होंने इस महीने क्वींस क्लब टूर्नामेंट में युगल मैच खेलकर खेल में वापसी की थी।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्र–छात्राएं सम्मानित, राज्यपाल ने दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मा0 राज्यपाल/मा0 कुलाधिपति/महामहिम राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल जी द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किये गये दशम् दीक्षान्त समारोह में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाकर गौरवान्वित किया गया। कुलाधिपति/महामहिम राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल, मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्व विद्यालय, वनस्पति विज्ञान प्रो मधुलिका अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति प्रो0 कविता शाह तथा द्वारा मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया गया तथा दशम् दीक्षान्त समारोह का औपचारिक शुभारम्भ किया गया। कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु प्रो0 कविता शाह द्वारा राज्यपाल/कुलाधिपति आनन्दी बेन पटेल तथा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को पुष्प देकर स्वागत किया गया। दशम् दीक्षान्त समारोह के अवसर पर प्रकाशित उत्कर्ष स्मारिका एवं मासिक पत्रिका कनेक्ट का राज्यपाल/कुलाधिपति आनन्दी बेन पटेल तथा मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो0 कविता शाह द्वारा विमोचन किया गया। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा बन्दे मात्रम गीत की प्रस्तुति की गयी। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगीत प्रस्तुत किया गया गया। राज्यपाल/कुलाधिपति आनन्दी बेन पटेल द्वारा दशम् दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कहा कि मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। यह बुद्ध की पावन धरती है। मैं इस धरती को प्रणाम करती हूँ। यहां पर गौतम बुद्ध ने विश्व को शान्ति का सन्देश दिया। यह भूमि देश–विदेश के लोगो का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। आज दशम् दीक्षान्त समारोह के अवसर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप लोग शिक्षा प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन करे। आप लोग शिक्षा प्राप्त कर समाज में परिवर्तन ला सकते है। आप लोग अपने माता पिता से प्रेरणा लेकर आप लोग समाज को आगे बढ़ाने में काम करे। आज छात्रों की अपेक्षा छात्राओं को अधिक मेडल प्राप्त हुआ है। डिग्री प्राप्त करने में भी छात्रायें आगे है। मेडल पाने वाले छात्र/छात्राओं के परिजनो व माता पिता को भी बधाई दिया। आज नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नही है। दीक्षान्त समारोह पूर्ण होने पर आप लोगो का राष्ट्र सेवा का नया अध्याय प्रारम्भ हुआ है। यह उपाधि एक प्रमाण–पत्र नही है। शिक्षा प्राप्त करने का उद्देश्य जीवन यापन करना नही है। बल्कि राष्ट्र के उत्थान एवं विकास हेतु कार्य करना है। नवाचार के नये द्वार खुल रहे है। आप अपने भविष्य के निर्माता नही है बल्कि विकसित भारत के निर्माण स्तम्भ है। जीवन में कितनी भी ऊँचाईयां प्राप्त कर हो अपने संस्कार कभी न भूले। यही भगवान गौतम बुद्ध का सन्देश है। आज का युग तीव्र विकास का युग है। प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है। सभी युवा नवाचार शिक्षा के अपना योगदान विकसित भारत बनाने में करें। विश्वविद्यालय राष्ट्र को नई दिशा वाला केन्द्र है। हमे जल संचयन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आने वाले समय में जल एक बड़ी समस्या बन सकता है। उपलब्धियों पर छात्राओ के साथ चर्चा करें। आज हम पूरे विश्व को दिशा दिखा रहे है। विकसित भारत के राष्ट्र के योगदान में सभी अपना योगदान दे। आप लोग देश को आगे बढ़ाने में सहयोग करें और भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाना है। सरकार के सेवा, सुशासन, जनकल्याण, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण कों एक सतत यात्रा के रूप में देखे जा सकते है। 140 करोड़ देशवासियों के आकांक्षाओं और संकल्प की कहानी है। भारत आत्मनिर्भर, समावेशी विकास और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा है। जनधन योजना के माध्यम से करोडों लोगो को बैकिंग सेवा से जोड़ा गया है। स्वच्छ भारत मिशन ने देश में एक जनआन्दोलन के रूप लेकर नयी चेता का संचार किया है। प्रधानमंत्री आवास से गरीबो को आवास, उज्ज्वला योजना से गांव की महिलाओं को धुआं से मुक्ति दिलाया गया है। आयुष्मान भारत योजना से करोड़ो लोगो को स्वास्थ्य लाभ मिला है। कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत किसानो को डीबीटी के माध्यम से सुविधा दी गयी है। गांव के विकास को नई गति प्रदान किया गया है। नये भारत के विकास में रेलवे को आधुनिकता प्रदान की है। बन्देभारत, अमृत भारत ट्रेनो को संचालन किया गया है। राज्यपाल/कुलाधिपति आनन्दी बेन पटेल ने कहा कि सपने देखिए और उसे कर्म में बदलिए। राज्यपाल/कुलाधिपति आनन्दी बेन पटेल ने पुनः दशम् दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्व विद्यालय, वनस्पति विज्ञान प्रो मधुलिका अग्रवाल ने दशम् दीक्षान्त समारोह के अवसर पर उपस्थित शिक्षा जगत के आचार्य, प्राचार्य, छात्र एवं छात्राओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के दशम् दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता कर रहीं माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कविता शाह कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सम्माननीय सदस्यगण, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण विश्वविद्यालय के प्राध्यापक अधिकारी तथा कर्मचारीगण, माननीय जन प्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारीगण उपाधि ग्रहण करने वाले सभी शिक्षार्थीगण, इस भव्य समारोह में उपस्थित सभी सम्माननीय अतिथिगण का स्वागत किया। उन्होनें कहा कि आप लोग सबकी अपेक्षाओ को पूरा करे तथा देश का नाम रोशन करें। आने वाले समय में अपने सपनों को साकार करने में सफल हो। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का गौरव ऊंचा करें। भारत के निर्माण के संकल्प के साथ उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें। सभी उपाधि एवं डिग्री धारकों को पुन बधाई दिया। विशिष्ट अतिथि मा0 उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने गोल्ड मेडल पाने वाले सभी छात्र/छात्राओं को बधाई दी तथा उनके माता–पिता व गुरूजनो को भी बधाई दी। मंत्री ने विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी ने महामहिम राज्यपाल मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य सभी का स्वागत करते हुए कहा यहां आने पर मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। आज इस अवसर पर मेडल एवं उपाधि दिया गया है इसका साक्षी बनने होगा। विकसित भारत के महान संकल्प को सिद्ध करने में आगे बढ़ रहा है 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर हम आत्मनिर्भर और विश्व गुरु के रूप में खड़े होंगे। प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग इस तरह करें कि आने वाली पीढियां को नुकसान ना हो आने वाली पीढियां को प्राकृतिक संसाधन मिल सके। भगवान गौतम बुद्ध इसी धरती से थे उन्होंने पूरे विश्व को शांति अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय अपनी अलग पहचान बनाएगा। काला नमक चावल की सुगंध देश और विदेश को सुगंधित करती है इसी तरह इस विश्वविद्यालय के छात्र पूरे विश्व में इस विश्वविद्यालय का नाम रोशन हूं। पदक पाने वाले सभी छात्र–छात्राओं को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि आपके नए जीवन का शुभारंभ हो रहा है अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास किया माता–पिता एवं समाज का योगदान है। सपने वह सार्थक होते हैं जो हमें सोने ना दे।यह भगवान बुद्ध की धरती है। यहां से सत्य, अंहिसा व करूणा का सन्देश पूरे विश्व को गया है। कपिलवस्तु की धरती हमें करुणा साहस एवं शांति का संदेश देती है आप लोग निरंतर आगे बढ़ते रहे मा0 प्रधानमंत्री का सपना भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है आप सभी देश को विकसित बनाने में सहयोग करें। आज बेटियों ने बाजी मारी है बेटियां देश की दिशा और दशा भी बदल रही है। मन कर्म और वचन से देश को विकसित बनाएं। विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान को अपने समाज में फैलाएं। राज्यपाल के नेतृत्व में सभी विश्वविद्यालय अच्छा कार्य कर रहे हैं। लोगों की सोच विश्वविद्यालय के प्रति बदल रही है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सरकार कार्य कर रही है आज के युवा देश को आगे बढ़ाने में काम करें। विकसित देश बनाने में अपना सहयोग दें। कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रो0 कविता शाह ने बताया कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के दशम् दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष कुलाधिपति एवं उ0प्र0 की भी राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, जन प्रतिनिधिगण विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सम्मानित सदस्यगण सम्मानीय अतिथिगण, विश्वविद्यालय के आत्मीय शिक्षक बहनों–बन्धुओं अधिकारी तथा कर्मचारीगण मीडिया के प्रतिनिधिगण, उपाधि तथा पदक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं का विश्वविद्यालय के दशम् दीक्षांत समारोह के अवसर पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ। आज के दीक्षान्त समारोह की अध्यक्ष माननीय कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल का स्वयं एवं विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से हार्दिक स्वागत है। विश्वविद्यालय बच्चों को किस प्रकार तैयार करें कि राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ाना। माननीय मुख्यमंत्री की दृष्टि सदैव विश्वविद्यालय पर रहती है विश्वविद्यालय निरंतर आगे बढ़ रहा है जून 2015 में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की स्थापना हुई इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत 265 महाविद्यालय आते हैं 2025 26 में परीक्षा पारदर्शी एवं समय से कराई गई समर्थ पोर्टल के माध्यम से सभी महाविद्यालय कम कर रहे हैं। बीएससी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 10000 नगर पुरस्कार दिया जाएगा गत वर्ष से सीसी को अच्छी विषय के रूप में विश्वविद्यालय में लागू किया है चंदन वाटिका व पदम सरोवर बनाया गया है मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर आगे बढ़ रहा है एयर क्वालिटी इंडेक्स में विश्वविद्यालय में संचालित हैं 5 जून से 20 जून 2026 तक अध्यक्ष कार्यक्रम मनाया गया योग दिवस पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम कराया गया हमारे सभी प्रयास विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने पुणे सभी को बधाई दिया। दशम् दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम के अवसर पर राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल जी द्वारा स्नरातक एवं स्नातकोत्तर में विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कुल 37 स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिसमें 28 छात्रायें एवं 09 छात्र है। इसके साथ पीएचडी धरको को भी उपाधि देकर सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो0 कविता शाह द्वारा कुलाधिपति/महामहिम राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि को पुस्तक भेट किया गया। कुलाधिपति द्वारा वर्ष 2026 के डिग्री और अंकपत्र को डीजी पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड किया गया। राज्यपाल उ0प्र0 द्वारा नवनिर्मित बालगृह किलकारी एवं दिव्यांगजन सुविधायुक्त डिजिटलाइज्ड लाइब्रेरी का लोकार्पण किया गया। कुलाधिपति/महामहिम राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग की बच्चियो द्वारा चित्रकला, कहानी कथन, एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। मा0 राज्यपाल उ0प्र0 द्वारा 700 आंगनबाड़ी किट–जिसमें 300 जनपद सिद्धार्थनगर, 200 जनपद संतकबीरनबर तथा 200 जनपद महराजगंज को दिया गया। एचपीवी टीकाकरण में अच्छा करने हेतु जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी संतकबीर नगर, अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर तथा मुख्य विकास अधिकारी महराजगंज को प्रमाण पत्र दिया गया। राज्यपाल उ0प्र0 द्वारा गोद लिये गावों के उच्च प्राथमिक विद्यालय, बर्डपुर तथा ककरहवा को प्रधानाचार्य को 50 पुस्तको का सेट दिया गया। गोद लिये गांवों की 10 छात्राओं द्वारा जल संचयन पर गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल उ0प्र0 आनन्दी बेन पटेल द्वारा स्वास्थ्य केन्द्र पर एच0पी0वी0 टीकाकरण का शुभारम्भ किया गया। सामूहिक राष्ट्रगायन किया गय। इसके पश्चात राज्यपाल/कुलाधिपति/राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल द्वारा दशम् दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा की गयी। इस दीक्षान्त समारोह में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, पूर्व विधायक इटवा डा0 सतीश द्विवेदी, जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, कुल सचिव दीनानाथ यादव, तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के दशम् दीक्षान्त समारोह के आयोजन समिति के सदस्य तथा कार्य परिषद के सदस्य तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

'संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा'

'जलभराव खत्म करें, एंटी–लार्वा छिड़काव व जनजागरूकता पर दें विशेष जोरः जिलाधिकारी'

'देवरिया। माह जुलाई में प्रारंभ होने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं को पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत सभी आवश्यक गतिविधियों एवं रोग नियंत्रण के एहतियाती उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। साथ ही जनजागरूकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि रोगों की रोकथाम से संबंधित सभी उपायों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। जिलाधिकारी ने साफ–सफाई, विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, सूअर बाड़ों को आबादी से दूर रखने एवं मुर्गी फार्म में साफ सफाई सुनिश्चित कराने, जलभराव समाप्त करने तथा स्वच्छ पेयजल के उपयोग को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नालियों एवं जलभराव वाले स्थानों पर एंटी–लार्वा का नियमित छिड़काव कराने पर भी बल दिया। आईसीडीएस विभाग को कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण सेवाओं से जोड़ने तथा हाई–रिस्क क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को वीएचएसएनडी (ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस) सत्रों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि श्री–ए (आशा, आंगनबाड़ी एवं एएनएम) अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य करें। उन्होंने सत्रों की नियमित निगरानी, कर्मियों की उपस्थिति की जांच तथा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई एवं आवश्यकतानुसार वेतन रोकने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों की सघन समीक्षा कर उनमें सुधार लाने तथा निजी स्थानों पर संचालित सत्रों को खंड विकास अधिकारियों के समन्वय से सरकारी भवनों में संचालित कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सत्र स्थलों पर आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, शत–प्रतिशत डिलीवरी रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की मिसिंग डिलीवरी न होने देने पर विशेष बल दिया।

पहली बारिश में उखड़ी सड़कें, गड्ढों और जलभराव से फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

पुरैना बाजार.मोछद्धार व मन्नीटाड़.खानपुर मल्लोह मार्ग की बदहाली पर ग्रामीणों ने जताया विरोध

दैनिक बुद्ध का सन्देश

विशेश्वरगंज, बहराइच। प्रदेश सरकार द्वारा सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के दावों के बीच विकास खंड विशेश्वरगंज क्षेत्र की दो प्रमुख संपर्क सड़कों की बदहाली ने इन दावों की पोल खोल दी है। पहली ही बारिश में पुरैना बाजार.मोछद्धार संपर्क मार्ग तथा मन्नीटाड़.खानपुर मल्लोह मार्ग जगह–जगह उखड़ गए हैं। सड़क पर बने बड़े–बड़े गड्ढों और जलभराव से राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों तथा श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।जानकारी के अनुसार, पुरैना बाजार से मोछद्धार जाने वाले संपर्क मार्ग पर हाल ही में गिट्टी लेपन का कार्य कराया गया था, लेकिन पहली बारिश में ही सड़क की परत उखड़ गई और मार्ग कई स्थानों पर गड्ढों में तब्दील हो गया। इसी मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध ब्रह्मदेव बाबा मंदिर में प्रत्येक शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन–पूजन के लिए पहुंचते हैं। साथ ही प्रतिवर्ष यहां विशाल भंडारे का आयोजन भी होता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है।वहीं मन्नीटाड़ चौराहे से खानपुर मल्लोह जाने वाले मार्ग की हालत भी अत्यंत दयनीय

हो चुकी है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों और जलभराव के कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान गड्ढे पानी में छिप जाते हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालक अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।सोमवार को दोनों मार्गों की बदहाली से आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से तत्काल सड़क मरम्मत, निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच तथा दोषी ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे व्यापक जनआंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।विरोध प्रदर्शन में प्रदीप कुमार पाठक, शोभा राम विश्वकर्मा, राजन पाठक, वीरेंद्र कुमार पाठक, नागेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार पाठक, मनोज कुमार पाठक, बालकराम यादव, अजीत पाण्डेय, लल्ला बाबा, लालमणि, धर्मेंद्र पाल, ननकऊ, सन्ने बाबा, दिनेश कुमार, विकास द्विवेदी, राममूर्ति, अजय गोस्वामी, कमलेश सोनी, पवन कुमार यादव, राजेश विश्वकर्मा, धनलाल विश्वकर्मा, सतीश चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनसुनवाई में एसपी अभिषेक वर्मा ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पुलिस कार्यालय में

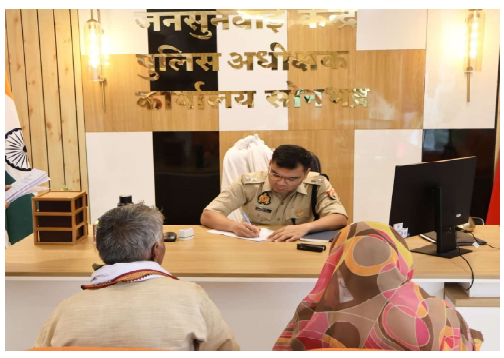

आयोजित जनसुनवाई (जनता दर्शन) कार्यक्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी तथा राजस्व संबंधी मामलों सहित कई शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को तथ्यपरक जांच कर पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई की प्रगति से समय–समय पर अवगत कराया जाए तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील और जिम्मेदार रवैया अपनाया जाए। एसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, अनावश्यक विलंब या उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सके।

भामाशाह का त्याग, राष्ट्रभक्ति और दानवीरता आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत–सदर विधायक भूपेश चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।कलेक्ट्रेट सभागार में आज वीर शिरोमणि दानवीर भामाशाह जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं व्यापारी बंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद के सर्वाधिक कर (टैक्स) जमा करने वाले 10 प्रतिष्ठित व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ईमानदारी से कर अदा करने वाले व्यापारी राष्ट्र एवं जनपद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सदर विधायक भूपेश चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि भामाशाह का त्याग, राष्ट्रभक्ति और समर्पण भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने अपना सर्वस्व महाराणा प्रताप और राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित कर अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिससे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि भामाशाह का जीवन सेवा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रहित का प्रतीक है। उन्होंने सम्मानित करदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि करदाताओं के योगदान से ही विकास कार्यों को गति मिलती है और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो पाता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता ने भामाशाह के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया, जबकि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद ने उनके जीवन, व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित करदाताओं को बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की गई। इस दौरान सांस्कृतिक विभाग द्वारा करमा नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति की गयी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश कुमार, सुनिल कुमार संयुक्त आयुक्त राज्य कर, रितेश मिश्र उपायुक्त प्रशासन राज्य कर, योगेश द्विवेदी उपायुक्त राज्य कर, विकास .ष्ण बन्सरा उपायुक्त राज्य कर, मो0 जुनैद व व्यापारी बन्धु उपस्थित रहें।

सोनभद्र में औद्योगिक विकास को मिली रतार, 54 नई इकाइयों से 4500 से अधिक युवाओं को रोजगार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की औद्योगिक विकास नीति के तहत सोनभद्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से जिले में स्थापित 54 औद्योगिक इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है, जिससे 4500 से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और करीब 10 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत 1.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 67 निवेश प्रस्ताव ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए चिन्हित किए गए थे। इनमें से 54 इकाइयां अब संचालन शुरू

कर चुकी हैं।

इन परियोजनाओं में लगभग 5609 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे 4585 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में 19 औद्योगिक इकाइयों का निर्माण कार्य जारी है और इन्हें जल्द संचालित करने के लिए प्रशासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। निवेशकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि परियोजनाएं शीघ्र धरातल पर उतर सकें।जिलाधिकारी ने कहा कि सलई बनवा स्थित एसीसी सीमेंट प्लांट से जल्द पूर्ण क्षमता के साथ उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एनटीपीसी के सोलर प्रोजेक्ट का कार्य अंतिम चरण में है। वहीं ज्वालामुखी इंटरप्राइजेज की परियोजना भी शीघ्र शुरू होने वाली है।प्रशासन का मानना है कि इन औद्योगिक परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन में कमी आएगी और सोनभद्र की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित पशु तस्कर गिरफ्तार, 2025 की पुलिस मुठभेड़ में हुआ था घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में थाना पन्नूगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक पशु तस्कर को

गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आरोपी वर्ष 2025 में पशु तस्करी के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ था और लंबे समय से फरार चल रहा था।पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के मार्गदर्शन में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर 28 जून 2026 को पकरहट नहर पुलिया के पास से आरोपी संजय कुमार उर्फ संजय दीवाना (35), निवासी ग्राम सरईगढ़ टोला खदरा, थाना रायपुर, को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपी थाना पन्नूगंज में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में 13 मई 2026 से वांछित था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना पन्नूगंज और थाना मांची की संयुक्त टीम गठित की गई थी।पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध गोवध निवारण अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में 13 आपराधिक मुकदमे सोनभद्र एवं अन्य जनपदों में दर्ज हैं।गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में 55 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामपुर गांव निवासी रामविशाल का पुत्र रामनरेश ने संदिग्ध अवस्था में घर के अन्दर मौत हो गयी। सूचना पाकर घटनास्थल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में आये मृतक के बड़े भाई उमेश चन्द्र पाल के अनुसार उसके भाई ने फांसी लगाने से पहले घर के दरवाजे चारो तरफ से बन्द पहले गैस सिलेंडर से गैस निकाल और आग लगाने के बाद फांसी पर लटक गया। वहीं पुलिस के अनुसार मामला संदिग्ध लगता है। पोस्टमार्टम रिपोट के बाद ही घटना की हकीकत सामने आयेगी।

तीन दिन से लापता अधेड़ का फांसी पर लटका मिला शव

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के कोर्रा सादात मजरे जहानपुर में तीन दिन पूर्व घर से निकले 51 वर्षीय अधेड़ का शव .सुबह लसोड़े के पेड से लटका मिला। बताते चलें कि कोर्रा सादात मजरे जहानपुर गांव निवासी होरीलाल का पुत्र जगत पाल तीन दिन पूर्व भोरपहर घर से निकल गया था। दो दिन बीत जाने के बाद जब वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। सुबह गांव के कुछ लोग शौंचक्रिया के लिए गये थे। तभी गांव से 400 मीटर दूरी जंगल में लसोड़े के पेड़ से जगतपाल का शव फांसी पर लटका देख गांव वालो ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। जिस पर रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे वहीं सूचना पाकर पुलिस ने घटना स्थल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन ग्रह भेज दिया। घटना के बाबत जानकारी पोस्टमार्टम हाउस में मृतक का पुत्र राजकुमार ने दी है।

गाज गिरने से महिला की मौत

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टेसाही खुर्द में . सुबह पेड़ के नीचे खड़ी 46 वर्षीय महिला पर आकाशीय बिजली गिर गयी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार टेसाही खुर्द गांव निवासी बाबू की पत्नी रामदुलारी .सुबह लगभग सात बजे खेतो में पानी लगा रही थी। इसी बीच बारिश होने लगी जिससे बचने के लिए वह महुये के पेड़ के नीचे खडी हो गयी। तभी तेज गरज के साथ बिजली चमकी और पेड़ पर जा गिरी। जिसके कारण महिला आकाशीय बिजली की चपेट में आ गयी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

खेत में गिरी आकाशीय बिजली, 9 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

भगवानपुर/सोनौली, महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर ग्राम पंचायत के हनुमानगढ़िया टोला सोहनी में सोमवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से 9 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।जानकारी के अनुसार, आयुष चौरसिया (9) अपने माता–पिता के साथ खेत में धान की नर्सरी (बीया) काटने गया था। सुबह करीब 7रू30 बजे अचानक मौसम बदल गया और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से आयुष गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे बचाने का प्रयास करते रहे, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही सोनौली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने और आपदा राहत के तहत मुआवजा दिलाने की मांग की है।

प्रतिज्ञा दिवस पर सहकारिता विभाग के अधिकारियो ने ली शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ तथा प्रतिज्ञा दिवस के अवसर पर सोमवार को सहायक आयुक्त सहकारिता कार्यालय के अधिकारियो व कर्मचारियो द्वारा शपथ ली गई।इस अवसर पर सभी कर्मियो ने सहकार से समृद्धि के सपने को तन मन धन से साकार करने की प्रतिज्ञा ली।सभी अधिकारीगण ने सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण मे अपना संपूर्ण योगदान देने की शपथ ली। सहकारिता सप्ताह 29 जून सोमवार से आगामी जुलाई माह तक जाएगा। इस मौके पर एडीसीओ निर्मल कुमार मौर्य,डाक्टर सुरेश , अवधेश सिंह, जिला प्रबंधक पीसीएफ रोहित गुप्ता,विनोद मौर्य,आलोक शेखर,महेश मौर्य, रमेश कुमार,ज्योति इत्यादि मौजूद रहे।

नगरीय निकायों में सुनी गयी समस्या किया गया समाधान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को

नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में –29 जून 2026 सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद , की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 1, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 5, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 1, नगर पंचायत पिपरी में 1, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

वेलकम 2 द जंगल से टक्कर के बावजूद कॉकटेल 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा बरकरार, वर्ल्डवाइड कमाई 120 करोड़ के पार

शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन अभिनीत रोमांटिक–ड्रामा फिल्म कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी ये फिल्म बीती 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और महज 9 दिनों के भीतर ही इसने दुनियाभर में 120 करोड़ रुपये से अधिक की शानदार कमाई कर ली है। बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल जैसी बड़ी फिल्म की मौजूदगी के बावजूद कॉकटेल 2 का जादू बरकरार है। कड़े मुकाबले के बाद भी दर्शक इस फिल्म पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं, जिससे इसकी कमाई तेजी से आगे बढ़ रही है।

भारत में फिल्म ने पहले दिन 13.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। ओपनिंग वीकेंड तक इसने 47.5 करोड़ रुपये का की कमाई की ली। हफ्ते के बीच में कमाई थोड़ी धीमी हुई, जो अक्सर होता है, लेकिन नौवें दिन भी फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये कमाए, जो आठवें दिन की कमाई के बराबर ही था। अब तक भारत में कॉकटेल 2 का कुल कारोबार 78.75 करोड़ रुपये हो गया है। कॉकटेल 2 में इस बार कलाकार बिल्कुल नए हैं। हालांकि, इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने ही किया है। वहीं इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 16वें दिन 4.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं 15वें दिन 2.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ ने अहम किरदार निभाए हैं। फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है, इसका कुल कलेक्शन भी अब तक 41.80 करोड़ रुपये हो चुका है।

फिल्म ने दूसरे दिन 2.5 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने टोटल 4.40 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और सरगुन मेहता जैसे स्टार्स हैं. ये सक्सेसफुल फ्रेंचाइजी कैरी ऑन जट्टा का चौथा पार्ट है. फिल्म ने दूसरे दिन 2.5 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने टोटल 4.40 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और सरगुन मेहता जैसे स्टार्स हैं. ये सक्सेसफुल फ्रेंचाइजी कैरी ऑन जट्टा का चौथा पार्ट है.

शरवरी बोलीं, हर एक्टर का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने जो लोगों के दिलों में बस जाए

शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज मैं वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए

एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड–द–सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार... मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। उन्होंने कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने मैं वापस आऊंगाच से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। शरवरी के सह कलाकार वेदांग रैना ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन इम्तियाज ने किया है। इस पीरियड रोमांटिक ड्रामा में नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मैं वापस आऊंगाच की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछडने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे विषयों को सामने लाती है। फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल–पुथल के कारण प्रभावित होता है। कहानी नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाई गई है। यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को फिर से साथ लाती है। इसके अलावा, गीतकार इरशाद कामिल ने भी फिल्म में योगदान दिया है। फिल्म का निर्माण एपल्ज एंटरटेनमेंट, विंडो सीट फिल्मस और मोहित चौधरी फिल्मस के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

एनिमेटेड फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ का ट्रेलर जारी, 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक

एनिमेटेड फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है। कुछ दिनों पहले इसका पोस्टर जारी किया गया था, जिसे लोगों द्वारा खूब सराहा गया और अब अध्यात्मिक फिल्म

का ट्रेलर दर्शकों का दिल जीतने आ गया है। भुवनेश्वर के एनीमेशन स्टूडियो एले एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित यह फिल्म, एनिमेटेड वेब सीरीज जय जगन्नाथ (2007) की सफलता के बाद आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीपाद वारखेडकर ने किया है, जबकि निर्माता दुर्गा प्रसाद दलाई हैं। फिल्म का ट्रेलर कलियुग में अहम नाम के एक शक्तिशाली असुर का परिचय कराता है, जिसका मकसद जगन्नाथ स्वामी के भक्तों को अपने जाल में फंसाना है। इस बुराई का अंत करने और सच्ची भक्ति की शक्ति को जगाने के लिए महाप्रभु जगन्नाथ, बलराम और गरुड़ एक साहसिक यात्रा पर निकलते हैं। यह फिल्म एली एनीमेशन के सनातन यूनिवर्स की शुरुआत करेगी, जिसके तहत भविष्य में कई फिल्में–सीरीज बनेंगी। महाप्रभु जगन्नाथ 10 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुलकर सलमान की फिल्म आई एम गेम ओणम पर जमाने आएगी धाक, हो गया ऐलान

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार दुलकर सलमान अपनी नई फिल्म के साथ तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया फिल्म आई एम गेम को रिलीज तारीख मिल गई

है और इसका ऐलान नए पोस्टर के साथ कर दिया गया है। पोस्टर देखने के बाद फैंस का उत्साह देखने लायक है। वह फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें, आई एम गेम एक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन नाहस हिदायत ने किया है।

पोस्टर में सलमान एक सुपरस्टार के रूप में नजर आ रहे हैं। चारों ओर मौजूद भीड़ ने उन्हें घेर रखा है। अभिनेता ने कैप्शन दिया, उल्टी गिनती खत्म हुई और असली खेल शुरू! आई एम गेम पूरी तरह से तैयार है और ओणम के शानदार उत्सव के लिए 20 अगस्त को सिनेमाघरों में आ रही है! फिल्म में शबीर कल्लारक्कल, प्रसन्ना और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। यह मलयालम, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।

रसोई के लिए दोबारा लोकप्रिय हो रहे हैं लकड़ी के उपकरण, जानिए कारण

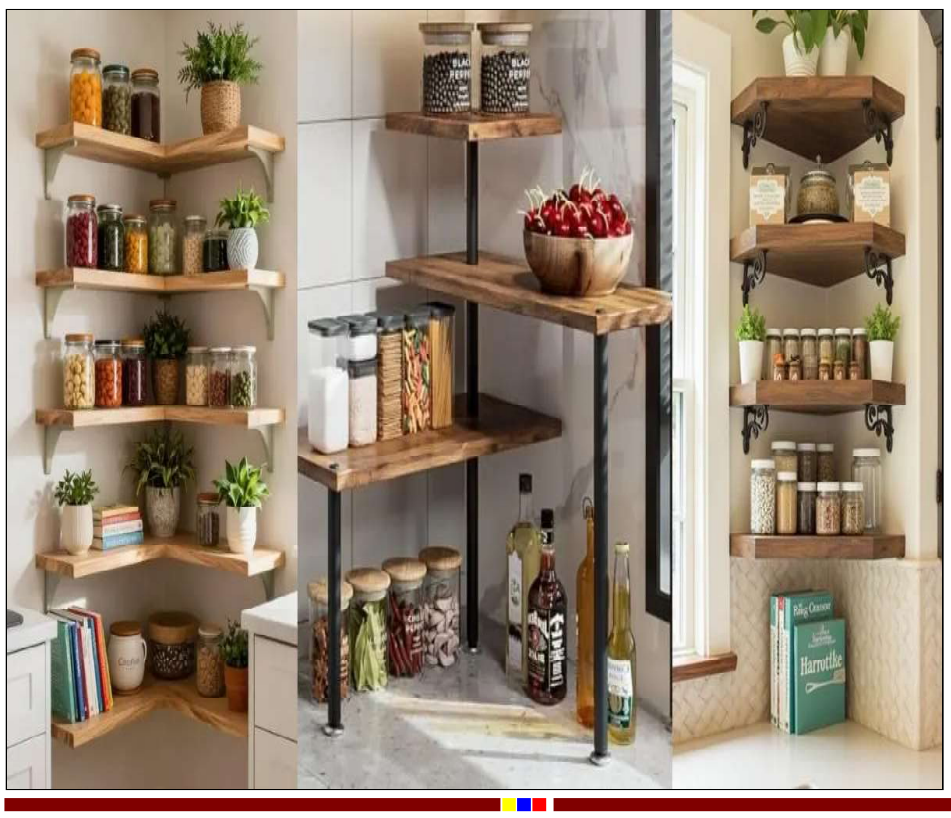

लकड़ी के रसोई उपकरण लंबे समय से हमारे घरों का हिस्सा रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में प्लास्टिक और स्टेनलेस स्टील जैसी नई सामग्रियों ने बाजार में जगह बना ली। अब एक बार फिर से लकड़ी के उपकरणों की मांग बढ़ रही है। इसके पीछे कई कारण हैं, जैसे पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सेहत से जुड़ी चिंताएं। आइए जानते हैं कि लकड़ी के रसोई उपकरण क्यों और कैसे फिर से लोकप्रिय हो रहे हैं।

पर्यावरण के अनुकूल विकल्प

आजकल लोग पर्यावरण के प्रति ज्यादा जागरूक हो गए हैं और वे ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल हों। लकड़ी के रसोई उपकरण पर्यावरण के लिए बेहतर होते हैं, क्योंकि ये नवीकरणीय संसाधनों से बनते हैं और इनका कचरा कम होता है। इसके विपरीत प्लास्टिक और स्टेनलेस स्टील के उपकरण पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होते हैं और इनका कचरा लंबे समय तक धरती पर बना रहता है।

सेहत के लिए सुरक्षित

लकड़ी के रसोई उपकरण सेहत के लिए भी सुरक्षित माने जाते हैं। प्लास्टिक उपकरणों में अक्सर हानिकारक रसायन होते हैं, जो खाने–पीने की चीजों में मिल सकते हैं। स्टेनलेस स्टील के उपकरणों में भी कभी–कभी धातु के कण मिल सकते हैं, जो सेहत के लिए खराब हो सकते हैं। लकड़ी के उपकरण प्राकृतिक होते हैं और इनमें किसी प्रकार के रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, जिससे ये सेहत के लिए सुरक्षित होते हैं।

टिकाऊ और मजबूत

लकड़ी के रसोई उपकरण टिकाऊ और मजबूत होते हैं। सही देखभाल करने पर ये कई वर्षों तक चलते रहते हैं। लकड़ी की बनावट इसे मजबूत बनाती है, जिससे ये टूटते–फूटते नहीं हैं। इनके रखरखाव में भी कोई खास परेशानी नहीं होती। इन्हें साबुन और पानी से साफ किया जा सकता है और समय–समय पर तेल लगाने से इनकी चमक बनी रहती है। लकड़ी के उपकरणों की मजबूती और टिकाऊपन इन्हें एक बेहतरीन विकल्प बनाती है।

पारंपरिक अहसासः लकड़ी के रसोई उपकरण पारंपरिक एहसास प्रदान करते हैं, जो कई लोगों को पसंद आता है। इनकी बनावट और डिजाइन साधारण होते हुए भी आकर्षक लगते हैं। ये आपके रसोईघर को एक गर्माहट और आरामदायक अहसास देते हैं। इसके अलावा लकड़ी के उपकरणों का उपयोग करने से खाना बनाते समय हाथों पर अच्छा अनुभव होता है। लकड़ी की गर्मी और स्थिरता खाना बनाने की प्रक्रिया को सुखद बनाती है।

अलग–अलग प्रकार में उपलब्ध

आजकल बाजार में कई प्रकार के लकड़ी के रसोई उपकरण उपलब्ध हैं, जिनमें चमच, चाकू और कटोरे आदि शामिल हैं। आप अपनी जरूरत के अनुसार इनकी खरीदारी कर सकते हैं। इसके अलावा आप इन्हें अपनी पसंद के अनुसार डिजाइन करवाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस प्रकार लकड़ी के रसोई उपकरण न केवल पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी सुरक्षित होते हैं। इनकी मजबूती और पारंपरिक एहसास इन्हें एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।